दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 307/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 20 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों संग मनाया जन्मदिन, दिव्यांगजनों को समर्पित किया खास दिन

देहरादून। राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में राष्टीय दृष्टि विकलांग व्यक्ति सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी) के छात्रों संग मिलकर मनाया। यहां बताते चलें कि राष्ट्रपति मुर्मू तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर हैं और आज जन्मदिन का छात्रों के बीच रहना प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा है।

इससे पहले जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भव्य स्वागत किया। जहां से वह सड़क मार्ग से देहरादून पहुंचीं। पूरे दौरे के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अमला पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। राष्टपति मुर्मू ने एनआईईपीवीडी परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छात्रों से संवाद किया और उन्हें बेहतर जीवन जीने के टिप्स दे उनका हौसला भी बढ़ाया। अपने संबोधन में राष्टपति मुर्मू ने कहा, कि यह पहला अवसर नहीं है जब मैं अपना जन्मदिन दिव्यांगजनों के साथ मना रही हूं। 2023 में भी मैंने इसी संस्थान में यह खास दिन उनके साथ बिताया था। उन्होंने आगे कहा कि दिव्यांगजनों को दया की नहीं, सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने समाज से अपील की कि सभी नागरिक दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील बनें और उनके सशक्तीकरण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

आज देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्मदिन है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको शुभकामनाएं दी है। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनका जीवन और नेतृत्व देश भर के करोड़ों लोगों को प्रेरित करता रहेगा। जनसेवा, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता सभी के लिए आशा और शक्ति की किरण है।

सांध्यप्रकाश विशेष

एयर इंडिया ने रद्द की 8 उड़ानें, इनमें 4 इंटरनेशनल फ्लाइट्स शामिल

नई दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद से चर्चा में चल रही एयर इंडिया ने शुक्रवार को 8 फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया है। इनमें 4 इंटरनेशनल फ्लाइट्स भी हैं। रद्द की गईं फ्लाइट्स को चेन्नै, दिल्ली, दुबई, मेलबर्न, पुणे, अहमदाबाद, हैदराबाद और मुंबई से उड़ान भरना था। एयरक्राफ्ट्स की तकनीकी जांच, खराब मौसम और

एयरस्पेस की पाबंदियों को देखते हुए यह फैसला लिया गया। एयर इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया, एयर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट दुबई टू चेन्नै 906, दिल्ली से मेलबर्न 308 और 309 मेलबर्न से दिल्ली को रद्द किया जाता है। एयर इंडिया ने बताया, दुबई से हैदराबाद की फ्लाइट भी कैंसल की जाती है। पुणे से दिल्ली, अहमदाबाद से दिल्ली, हैदराबाद से मुंबई और चेन्नै से मुंबई की फ्लाइट भी कैंसल की जाती है। मेंटनेंस और ऑपरेशनल कारणों से यह फैसला लिया गया है। एयरलाइन कंपनी का कहना है कि जिन लोगों की यात्रा प्रभावित हुई है, उन्हें पूरा रिफंड दिया जाएगा। इसके अलावा वैकल्पिक यात्रा का प्लान भी उनसे साझा किया जाएगा।

निक्सन ने भारत के खिलाफ भेजा था अमेरिकी सेना का सातवां बेड़ा, पाकिस्तान को बनाया परमाणु संपन्न, मुनीर से क्या चाहते हैं ट्रंप?

ब्रह्मदीप अलूने

भारत को शत्रु देश मानने वाले रिचर्ड निक्सन साल 1969 से 1974 तक अमेरिका के राष्टपति रहे। वे अमेरिका के एक मात्र राष्टाध्यक्ष थे जिन्होंने पाकिस्तान के परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिशों का समर्थन किया था। यह भी दिलचस्प है कि निक्सन भी उसी रिपब्लिकन पार्टी के नेता थे जिसका नेतृत्व अब डोनाल्ड ट्रंप कर रहे हैं। निक्सन ने भी पाकिस्तान के सैन्य तानाशाह याह्या खान का उसी तरह समर्थन किया था,जिस तरह ट्रंप पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को दावत देते नजर आएं हैं। निक्सन ने पाकिस्तान को मदद देने और भारत पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका के सातवें बेड़े को बंगाल की खाड़ी में भेजा था। अब ट्रंप ने पाकिस्तान से प्यार का इजहार कर भारत पर एक बार फिर दबाव बनाने की कोशिश ही की है।

रिचर्ड निक्सन के कार्यकाल को लेकर साल 2005 में जब वाइट हाउस के गुप्त टेप सार्वजनिक किए गए तो उन्हें भारत और इंदिरा गांधी के लिए अपशब्द कहते सुना गया। बाद में निक?सन ने इसके लिए माफ़ी भी मांगी । साल 1971 की लड़ाई में अमेरिकी राष्टपति रिचर्ड निक्सन और उनके सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर पूरी तरह से पाकिस्तान के साथ खड़े दिखाई दिए थे। किसिंजर का कहना था कि अगर भारत ने पाकिस्तान पर आक्रमण किया तो चीन पाकिस्तान की मदद के लिए आगे आएगा। अगर ऐसा होता है तो सोवियत संघ भारत की तरफ़ से मैदान में उतरेगा। अमेरिका को पाकिस्तान के पीछे खड़े रहना चाहिए जिससे न तो भारत पाकिस्तान पर हमले के बारे में सोच सके और न ही सोवियत संघ को इस मामले में हस्तक्षेप करने का मौका मिल पाए। अमेरिकी राष्टपति रिचर्ड निक्सन ने अपने सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर को जुलाई 1971 में चीन की गुप्त यात्रा पर भेजकर भारत के खिलाफ चीन,पाक,अमेरिका गठबंधन बनाने की कोशिश की थी। जिसका बेहतरीन कूटनीतिक जवाब देते हुए भारत ने ठीक एक महीने बाद 9 अगस्त 1971 को सोवियत संघ से रक्षा समझौता कर दुनिया को लाजवाब कर दिया था।

अमेरिका ने की पाकिस्तान की मदद

हालांकि निक्सन के पहले भी अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ शांतिपूर्ण कार्यों के लिए परमाणु ऊर्जा सहयोग बढ़ाने की शुरुआत कर दी थी। साल 1953 में,अमेरिकी राष्टपति ड्वाइट आइजनहावर ने शांति के लिए परमाणु कार्यक्रम की घोषणा की, जिसका पाकिस्तान सबसे पहला साझेदार बना। साल 1955 में पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा समिति की स्थापना की गई। इसके बाद अमेरिका और पाकिस्तान ने परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को साझा करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान अमेरिका ने रिएक्टर की स्थापना के लिए साढ़े तीन लाख डॉलर देने की पेशकश की थी। इसी से उत्साहित होकर बाद में पाकिस्तान ने परमाणु विज्ञान में प्रशिक्षण के लिए छह सौ वैज्ञानिकों को कुछ खास देशों में भेजा था। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम के जनक अब्दुल कादिर खान, साल 1961 में बर्लिन के तकनीकी विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के लिए पश्चिम जर्मनी गए थे।

पंजे-लालूटेन वालों ने लूट मचाई, बिहार के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई: मोदी

पटना/ सीवान। प्रधानमंत्री पीएम मोदी आज बिहार के सिवान में एक रैली को संबोधित। इस दौरान वे कई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी का नीला गमछा भी चर्चा में रहा। नीला रंग अक्सर दलितों के आंदोलनों और बाबा साहेब आंबेडकर से जुड़ा होता है। कुछ दिनों पहले एनडीए के नेताओं ने लालू यादव पर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि लालू यादव ने आंबेडकर का अपमान किया है। यह आरोप लालू यादव के जन्मदिन के एक वीडियो के आधार पर लगाया गया था, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। एनडीए नेताओं का कहना है कि उस वीडियो में आंबेडकर का अपमान किया गया है।

चार करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के घर मिल चुके हैं- पीएम मोदी ने कहा कि बीते दशक में देश भर में चार करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के घर मिल चुके हैं। आप कल्पना कीजिए चार करोड़ लोगों को पक्के घर मिला। इन घरों में सपने सजते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज भी बिहार के 50 हजार परिवार के लिए घर की किस्त जारी किए गए हैं। मेरे लिए दोहरी खुशी की बात यह है कि यह घर माताओं और बहनों के नाम पर है। मेरी जिन बेटियों के नाम पर कभी कोई संपत्ति नहीं होती थी, अब वह अपने घरों की मालकिन बन रही है। हमारी सरकार घर के साथ-साथ बिजली पानी की सुविधा भी दे रही है।

जंगलराज लाने वाले फिर से सपना देख रहे- पीएम मोदी ने कहा कि इसी समय जंगलराज लाने वाले फिर से सपना देख रहे हैं कि बिहार के संसाधनों पर फिर से कब्जा कर सकें। इसके लिए वह तरह तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। आपको अपने भविष्य के लिए सतर्क रहना है। बिहार के विकास पर ब्रेक लगाने वालों को कोसों दूर रखना है।

10 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन किया

इससे पहले प्रधानमंत्री ने प्रदेश के 51 हजार लोगों को क्क्रूआवास योजना की पहली किस्त सौंपी। वैशाली में नई रेल लाइन और पटना-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत की। पटना में नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत बने स्न्नक्क का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने सीवान से करीब 10 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

पीएम मोदी ने दिखाई वंदे भारत को हरी झंडी

सीवान से बिहार को नई वंदे भारत की सौगात दी है। ये ट्रेन पटना से गोरखपुर के बीच चलेगी। ये ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलेगी। पटना से मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, बेतिया के रास्ते गोरखपुर की दूरी 7 घंटे में तय करेगी। इसके साथ ही वैशाली-देवरिया रुट पर नई ट्रेन की शरुआत की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर यूनिसेफ इंडिया की प्रमुख सुश्री सिंथिया मैकफ्रे ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर यूनिसेफ मध्यप्रदेश के प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में शुक्रवार को वन विभाग के कार्यों की समीक्षा की।

आज एमपी रचेगा इतिहास, सीएम देंगे 'बारामासी नदियों की अनूठी सौगात'

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सदानीरा समागम का शुभारंभ करेंगे। ये कार्यक्रम भारत भवन में शाम 6 बजे आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी करेंगे। समागम की शुरुआत ऋषिकेश पांडे निर्देशित लघु फिल्म 'सदानीरा' के लोकार्पण से होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीर भारत न्यास, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् तथा मध्यप्रदेश जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकों सदानीरा, पृथ्वी पानी का देश हैज्, अमृत जलधारा (चार खंड) व 'जल धरा' का विमोचन भी करेंगे। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन, संस्कृति और पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

केवल उत्सव नहीं है ये समवेत प्रयास

न्यासी सचिव का कहना है कि सदानीरा समागम केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी नदियों, जलसंस्कृति और जीवनदायिनी जलधाराओं के प्रति कृतज्ञता और जागरुकता का एक समवेत प्रयास है। यह आयोजन नदियों को मात्र भौतिक जलस्रोत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर, आध्यात्मिक आधार और लोकचेतना के रूप में प्रस्तुत करने का सशक्त संदेश देने वाला होगा।

देश में पहली बार ऐसा कार्यक्रम, एमपी में एकजुट होंगी 200 से ज्यादा हस्तियां

मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार एवं वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि सदानीरा समागम देश में ऐसा अकेला समारोह है जो नदियों, जलस्रोतों, जल संरचनाओं को संवर्धित एवं संरक्षित करने के लिए विविध गतिविधियों से भरा है। यही नहीं इसकी खासियत ये भी है कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि जब किसी कार्यक्रम में 200 से ज्यादा हस्तियां एक साथ शामिल होंगी।

आज सीएम हाउस में होगा गौशाला सम्मेलन, 90 करोड़ रुपये किए जाएंगे वितरित

मुख्यमंत्री मोहन यादव 20 जून को गौसेवा और पशुपालन को बढ़ावा देने हेतु प्रदेश स्तरीय गौशाला सम्मेलन आयोजित करेंगे, जिसमें 90 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरित की जाएगी। सम्मेलन में उत्कृष्ट गौशालाओं और गौसेवकों को सम्मानित किया जाएगा और कामधेनु योजना के तहत डेयरी यूनिट्स को स्वीकृति पत्र सौंपे जाएंगे।

गौसेवा और पशुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश सरकार 20 जून 2025 को एक ऐतिहासिक आयोजन करने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवास पर आयोजित इस प्रदेश स्तरीय गौशाला सम्मेलन में प्रदेशभर के गौपालकों और गौशाला संचालकों से सीधा संवाद किया जाएगा। इस सम्मेलन के माध्यम से सरकार प्रदेश में गौसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती से प्रस्तुत करेगी।

राज्य सरकार द्वारा अप्रैल और मई 2025 की अनुदान राशि के रूप में कुल 90 करोड़ रुपये गौशालाओं को अंतरित किए जाएंगे। पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने जानकारी दी कि गौवंश के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता राशि को 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए प्रति दिन कर दिया गया है, जिससे गौशालाओं को संचालन में अधिक सुविधा मिलेगी।

डॉ. गौर यूनिवर्सिटी का 33वां दीक्षांत समारोह

भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए हर क्षेत्र में विकास जरूरी : गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी वर्चुअली जुड़े

सागर। सागर के डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर प्रांगण में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी वर्चुअली जुड़े। इस दौरान जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को मानद डी लिट् की उपाधि से सम्मानित किया गया। वहीं विश्वविद्यालय के 957 छात्र-छात्राओं को उपाधि दी जा रही है।

गडकरी बोले- शिक्षा से ही देश बनेगा विश्व गुरु- कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए हर क्षेत्र में विकास जरूरी है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए युवाओं से उनके पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया।

गडकरी ने कहा कि हमारे पास दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक है। गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी को दूर करना है। हर गांव में बिजली, पानी, स्वास्थ्य और सड़क की व्यवस्था करनी है। इसके लिए ताकत और इच्छाशक्ति की जरूरत है, जो शिक्षा से ही संभव होगा।

स्वामी रामभद्राचार्य ने माथे से लगाई डी लिट् की उपाधि- दीक्षांत समारोह में कुल 1225 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 957 छात्र-छात्राओं को उपाधि दी जा रही है। इनमें पीजी के 426, यूजी के 482 और पीएचडी के 49 विद्यार्थी शामिल हैं। समारोह में पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को मानद डी लिट् की उपाधि से सम्मानित किया। उन्होंने उपाधि लेकर माथे से लगाई।

इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरानी मिसाइल

6 घायल; अमेरिका बोला- ईरान परमाणु बम बनाने के करीब, सिर्फ खामेनेई के आदेश का इंतजार

तेहरान/तेल अवीव। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

वन्यजीव संरक्षण केंद्र का निरीक्षण, रिलायंस की पहल की सराहना

जामनगर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जामनगर पहुंचे, जहां उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित विश्वस्तरीय वन्यजीव बचाव एवं पुनर्वास केंद्र वंतारा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वन्यजीवों के लिए की जा रही देखभाल, चिकित्सा और पुनर्वास संबंधी अत्याधुनिक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

जंगलों और वन्यजीवों की भूमिका को बताया अहम- मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि भारत का लगभग 9 प्रतिशत हिस्सा वनों से आच्छादित है और देश में सबसे ज्यादा बाघ मध्य प्रदेश में पाए जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वन्यजीवों की संख्या में बढ़ोतरी के साथ अब उनके बचाव, इलाज और पुनर्वास के लिए अत्याधुनिक केंद्रों की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। इस दिशा में वंतारा एक प्रेरणादायक और आदर्श मॉडल बनकर सामने आया है।

गुजरात और मध्य प्रदेश-वन संरक्षण में अग्रणी- उन्होंने गुजरात के वन्यजीव संरक्षण मॉडल की प्रशंसा करते हुए कहा कि गुजरात इस क्षेत्र में एक आदर्श है और मध्य प्रदेश उसका 'भाई राज्य' है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 11 वर्षों के कार्यकाल को सुशासन का युग कहा जा सकता है, देश ने वन्यजीव संरक्षण सहित अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है।

वंतारा में देखीं अत्याधुनिक सुविधाएं- डॉ. मोहन यादव ने वंतारा में विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया जिसमें घायल और बीमार जानवरों की देखरेख, चिकित्सकीय सेवाएं, और पुनर्वास प्रक्रियाएं शामिल थीं। उन्होंने वंतारा में जानवरों के लिए बनाए गए सुरक्षित और प्राकृतिक आवासों की भी सराहना की।

वंतारा: एक वैश्विक पहचान बना रहा है

यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश-विदेश की कई जानी-मानी हस्तियां, पर्यावरणविद् और वन्यजीव विशेषज्ञ वंतारा का दौरा कर चुके हैं। सभी ने इस परियोजना की प्रशंसा की है और इसे भविष्य के वन्यजीव संरक्षण के लिए एक क्रांतिकारी कदम माना है। यात्रा के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि वन्यजीव संरक्षण अब केवल एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे देश की प्राथमिकता बन चुका है। मुख्यमंत्री मोहन यादव का वंतारा जैसे अंतरराष्टीय स्तर के बचाव और पुनर्वास केंद्र का दौरा, इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत है।

वन्यजीव संरक्षण के लिए रिलायंस की पहल की तारीफ

मुख्यमंत्री ने रिलायंस की इस पहल को एक महत्वपूर्ण सामाजिक योगदान बताया। उन्होंने कहा कि वंतारा न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है। इस केंद्र की कार्यप्रणाली और संरचना अन्य राज्यों और देशों को भी प्रेरणा दे सकती है कि वे भी अपने-अपने क्षेत्रों में इस तरह के बचाव केंद्र विकसित करें।

जानलेवा हमला कर भागे लुटेरों को 72 घंटे में गिरफ्तार करने पर व्यापारियों ने किया पुलिसकर्मियों का सम्मान

भोपाल। घोड़ानक्कास मोबाइल एसोसिएशन के व्यापारियों ने पुलिस की तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उनका सम्मान किया। कुछ दिन पूर्व मनीष ट्रेडर्स के व्यापारी राजेश अठवानी पर जानलेवा हमला कर लुटेरे बैग और नकदी लेकर फरार हो गए थे। शाहजहांबाद पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए मात्र 72 घंटे में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस सराहनीय कार्य के लिए मोबाइल एसोसिएशन के व्यापारियों ने पुलिसकर्मियों का शाल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार जताया। इस अवसर पर घोड़ानिकास व्यापारी संघ के सदस्य भी मौजूद थे। व्यापारी संघ की भूमिका संघ के अध्यक्ष देव तिवारी ने कहा जब पुलिस अच्छा काम करती है, तो उन्हें प्रोत्साहित करना हमारा सामाजिक कर्तव्य बनता है। यह आयोजन उसी भावना का प्रतीक है। हमले में घायल व्यापारी राजेश अठवानी ने पुलिस का अंतर हृदय से धन्यवाद देते हुए कहा कि वह खुद को सुरक्षित और पुलिस पर भरोसेमंद महसूस कर रहे हैं।

हृदय और मस्तिष्क का द्वंद्व जीवन का सही निर्णय

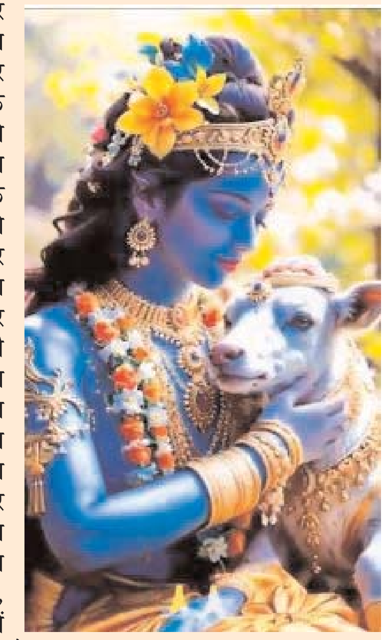

युवावस्था में अक्सर एक मोड़ आता है जब अपनी रुचि और आजीविका का प्रश्न एक दूसरे को तिर्यक बन काटने लगते हैं। ऐसे में स्वयं का परीक्षण करना आवश्यक है। अपने स्वभाव को समझिए कि आपके भीतर बुद्धि की प्रधानता है या भावना की। आपके भीतर सांसारिक सफलताओं की आकांछाएं हैं या आत्मसंतुष्ट रहने की प्रवृति है। ऐसा न हो कि जीवन भर पछतावे के साथ जीना पड़े कि जब हृदय और मस्तिष्क में से एक चुनाव करना था, तब सही निर्णय नहीं कर पाए। वास्तव में, हृदय और मस्तिष्क में समन्वय बेहद आवश्यक है। हृदय अनंत हो, परंतु विचार बुद्धि निश्चित परिमाण में कार्य अवश्य करे।

भाजपा साकेत मंडल का भारत माता पार्क में होगा कल सामूहिक योग कार्यक्रम

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के अवसर पर भाजपा साकेत मंडल के सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय रहवासी भारत माता पार्क सेक्टर 3 साकेत नगर प्रातः 7:30 बजे सामूहिक योग कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर प्रताप सिंह बैस अध्यक्ष भाजपा साकेत मंडल, अजय सोनी उपाध्यक्ष भाजपा साकेत मंडल, श्रीमती अर्चना परमार पार्षद वार्ड 55, नीरज सिंह पार्षद वार्ड 56 एवं जोन अध्यक्ष, सुरेंद्र वाडिका पार्षद वार्ड 57, लीलाधर मालवीय साकेत मंडल महामंत्री, लक्ष्मण परमार साकेत मंडल महामंत्री प्रमुख रूप से उपस्थित रहेगे।

सांची पार्लर से जब्त किए गुटखा-तम्बाकू के पाउच और सिगरेट के पैकेट

भोपाल। एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल से संबद्ध भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के विपणन दल ने गुरूवार की सुबह विवेकानंद सब्जी मंडी के पास, अशोका गार्डन मार्ग क्रमांक 14 पर स्थित सांची पार्लर पर शिकायत के आधार पर निरीक्षण कर कार्रवाई की। उपरोक्त पार्लर पर मादक पदार्थ जैसे गुटखा-तम्बाखू के विभिन्न प्रकार के पाउच, विभिन्न प्रकार की सिगरेट के पैकिट इत्यादि विक्रय करते हुए पाया गया, जिसका पंचनामा बनाकर जब्ती करवाकर वैधानिक चेतवानी दी गई।

संगठन सृजन अभियान को लेकर संत नगर एवं गांधीनगर ब्लॉक कांग्रेस की हुई अहम बैठक

भोपाल के लिए एक ऐसा जिलाध्यक्ष का चयन होगा जो जनता की आवाज बने:यशोमती ठाकुर

संत हिरदाराम नगर। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के मार्गदर्शन में संगठन सृजन अभियान की अहम बैठक संत हिरदाराम नगर ब्लॉक कांग्रेस एवं गांधीनगर ब्लॉक की बैठक हलालपुर पर रखी गई। यह बैठक जिला अध्यक्ष के चयन को लेकर कांग्रेस के कार्यकताओं की राय जानने के लिए रखी गई थी जिसमें विशेष रूप से महाराष्ट्र सरकार की पूर्व मत्री एवं विधायक पर्यवेक्षक के रुप में यशोमती ठाकुर, भोपाल जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महेश परमार एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक दिलीप गुर्जर उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारण एवं गांधीनगर ब्लॉक अध्यक्ष आनंद सबधाणी ने की। बैठक को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र सरकार की पूर्व मत्री पर्यवेक्षक यशोमती ठाकुर ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य को लेकर पूरे देश में कायकताओं की राय पर जिला अध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष चयन का कार्यक्रम निर्धारित किया है जिसमें सभी कार्यकर्ता बगै़र किसी दबाव के अपना जिला अध्यक्ष चुन सकते हैं अब किसी भी बडे नेता की पसंद को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी बल्कि इस सर्वे के माध्यम से कार्यकताओं की राय को प्राथमिकता दी जाएगी और भोपाल के लिए एक ऐसा जिला अध्यक्ष का चयन होगा जो जनता की आवाज बनकर हर संघर्ष के लिए तैयार रहेगा। इस अवसर पर भोपाल जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महेश परमार ने कहा कि इस अभियान के जरिए भोपाल को ऐसा जिला अध्यक्ष मिलेगा जो पूरी सातों विधानसभाओं के कार्यकताओं के पसंद का होगा जिसके परिणामस्वरूप हम हुजुर विधानसभा के साथ ही भोपाल की सभी विधानसभाओं में कांग्रेस का विधायक बनेगा यहां पर उपस्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक दिलीप गुर्जर ने कहा कि एक-एक कार्यकर्ता हमें अपनी राय दें और वह गोपनीय रखी जाएगी। कांग्रेस की इतिहास में यह पहली बार हो रहा है कि कांग्रेस का जिलाध्यक्ष कार्यकताओं की पसंद का होगा जो हर स्थिति में कार्यकताओं के साथ खडा होगा।

अभिषेक, हवन-पूजन के साथ धूमधाम से मनेगा दादाजी धाम मंदिर का 16वां स्थापना दिवस

24 जून को होगा आयोजन, आकर्षक साजेगा मंदिर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

हर वर्ष की तरह इस बार भी रायसेन रोड पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर का 16वां स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। दादाजी गरूदेव चैरिटेबिल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव ने बताया कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंचते है इसको लेकर विशेष तैयारियां की जा रही है। इस मौके पर मंदिर में आकर्षक लाइटिंग, फूल मालाओं से सजावट की जाएगी। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 24 जून को प्रातः 9 बजे से सबसे पहले सभी भगवान गणेशजी, मां दुर्गा, सीताराम, शिव पार्वती, लक्ष्मी नारायण, राधे कृष्ण, गायत्री माता, हनुमान जी, अर्धनारीश्वर भगवान, धूनी वाले दादाजी, सांईबाबा, अनंत श्री दादाजी गुरुदेव साईंखेड़ा वाले, मुख्य शिखर पर विराजित चारो धाम द्वारकाधीश, बद्रीनाथ , जगन्नाथ, रामेश्वरम एवं गर्भ गृह परिक्रमा स्थल में स्थापित सभी संत वेदव्यास, कबीर दास, तुलसीदास, मीराबाई, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, आदि गुरु शंकराचार्य, संत शिरोमणि नामदेव महाराज, महाराजा अग्रसेन, परमहंस, गुरु नानक देव, ऋषि दधीचि, गजानंद महाराज, झूलेलाल, श्रीराम शर्मा आचार्य, अनंतश्री दादाजी गुरुदेव समाधि स्थल पर पूजन किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा के समय उपस्थित सभी यजमानों को पंडित राजेंद्र पलिया द्वारा अभिषेक, पूजन, हवन, आरती कराई जाएगी एवं सभी भगवानों को नवीन वस्त्र पहनाए जाएंगे एवं विशेष श्रृंगार आभूषण द्वारा किया जाएगा।बाद में महाप्रसादी वितरण किया जाएगा।

अग्रवंश प्रतिभा सम्मान समारोह 22 को

भोपाल। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा द्वारा अग्रवंश प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार 22 जून को हिंदी भवन भोपाल में आयोजित किया जा रहा हैं। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मित्तल ने बताया कि अग्रवाल समाज के बच्चों ने बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर समाज को गौरांवित किया है। उन्होंने कहा कि अग्रवंश प्रतिमा सम्मान समारोह 2025 का आयोजन कर बच्चों को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो से सम्मानित किया जा रहा है। प्रांतीय महामंत्री मुकेश गोयल एवं महिला प्रदेश अध्यक्ष डॉ रश्मि अग्रवाल ने बताया कि लगभग 300 बच्चों के फॉर्म मिल चुके हैं और मध्य प्रदेश के सभी जिलों से बच्चों और उनके अभिभावकों की आने की पूरी संभावना है। कार्यक्रम में बच्चों को मंच के माध्यम से सम्मानित करने की एक अभिनव पहल की जा रही है। जिससे बच्चों में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। मीडिया प्रभारी विनीत अग्रवाल एवं नितिन गुप्ता ने बताया कि समाज में अनेक वरिष्ठजन एवं मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा के सदस्य गण उपस्थित होंगे। जिससे समाज के बच्चों का मनोबल बढ़ेगा और समाज के प्रति सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने की एक नई ऊर्जा का संचार भी होगा। कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे से प्रारंभ हो जाएगा।

5वीं और 8वीं पुनः परीक्षा के परिणाम आज आएंगे

भोपाल। प्रदेश में राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पेटर्न पुनः परीक्षा के परिणाम शुक्रवार 20 जून को दोपहर 3 बजे पोर्टल पर घोषित होंगे। विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकगण परिणाम राज्य शिक्षा केन्द्र के वेबपोर्टल https://www.rskmp.in/result.asp& पर रोल नम्बर प्रविष्ट कर देख सकते हैं। इसी पोर्टल पर शिक्षक, संस्था प्रमुख अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम भी देख सकेंगे। उल्लेखनीय है कि उक्त परीक्षाओं का संचालन विगत 2 से 9 जून के मध्य किया गया था। इनमें प्रदेश की शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 86 हज़ार से अधिक तथा कक्षा 8वीं के एक लाख 24 हज़ार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। इन विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए कुल 322 केन्द्र बनाये गए थे, जहाँ से 22 हज़ार से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई।

4 लाख विद्यार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण

भोपाल। प्रदेश के 2383 सरकारी स्कूलों में कक्षा-9वीं से 12वीं तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी कौशल विकास के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा व्यावसायिक शिक्षा योजना संचालित की जा रही है। पिछले शैक्षणिक सत्र में 12 ट्रेड्स में करीब 4 लाख 5 हजार विद्यार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाया गया। 12 ट्रेड में एग्रीकल्चर, अपेरल, ऑटोमोटिव, ब्यूटी एण्ड वेलनेस, बैंकिंग एण्ड फायनेंस सर्विसेस, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड हार्डवेयर, हेल्थ केयर, रिटेल, फिजिकल एजुकेशन, टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटेलिटी, प्लम्बर और आईटी विधाओं से जुड़े हैं। इस शैक्षणिक सत्र में भी व्यावसायिक शिक्षा के और नये ट्रेड्स शुरू किये जाने पर स्कूल शिक्षा विभाग योजना तैयार कर रहा है।

खेल हार-जीत के लिए नहीं खेले जाते, अपितु इनसे हमें जीवन के बहुमूल्य अनुभव भी प्राप्त होते हैं : एडीजी चंचल शेखर

विशेष सशस्त्र बल दक्षिणी जोन क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन

भोपाल। जिम्नेजियम हॉल, लाल परेड ग्राउण्ड, टीटी नगर स्टेडियम, प्रकाश तरुण पुस्कर, भदभदा रोड, छोटा तालाब, जलक्रीडा केन्द्र एवं पुलिस लाईन नेहरू नगर भोपाल में 7वीं वाहिनी विसबल द्वारा 16 जून से आयोजित की जा रही चार दिवसीय विशेष सशस्त्र बल (विसबल) दक्षिणी क्षेत्र अन्तर वाहिनी क्रीड़ा प्रतियोगिता-2025 का गुरूवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में पेंचक सिलाट, कुश्ती फ्री स्टाइल, कुश्ती ग्रीकोरोमन, वु-शु,एथलेटिक्स, हेमर थ्रो, कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबाल, बॉस्केटबाल, हेण्डबाल, खो-खो, सेपक टेकरा, जूडो, कराते, ताईक्वांडो, योगा, टेबिल टेनिस फुटबॉल, वॉलीबाल, बॉस्केटबॉल, हैंडबॉल, खो-खो, वेटलिफ्टिंग, पॉवरलिफ्टिंग, बैडमिन्टन, जिम्नास्टिक(पुरूष/महिला), बॉक्सिंग, तीरंदाजी, तलवारबाजी, तैराकी, सायक्लिंग, वाटर स्पोर्टस , एथलेटिक्स और क्रिकेट के मुकाबलों में प्रदेश की विभिन्न वाहिनियों के पुरूष एवं महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कुल 339 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेताओं को 64 स्वर्ण, 64 रजत एवं 77 कांस्य पदक से अलंकृत किया गया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि एडीजी (एसएएफ) चंचल शेखर ने कहा कि खेल सिर्फ हार जीत के लिये नहीं खेले जाते, अपितु इनसे हमें जीवन के बहुमूल्य अनुभव भी प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आशा करता हूं कि चयनित टीमें एकता, अनुशासन एवं समर्पण के साथ अपने-अपने खेल में दक्षता प्राप्त करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने जोन एवं राष्ट्रीय खेलों में भी मध्य प्रदेश पुलिस का नाम रोशन करें।

सप्रे संग्रहालय में हिंदी पत्रकारिता द्वि-शताब्दी समारोह कल होगा

भोपाल। ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय में 21 जून को पूर्वान्ह 10:30 बजे हिन्दी पत्रकारिता द्वि-शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश होंगे। भारतीय प्रेस परिषद के वरिष्ठ सदस्य प्रकाश दुबे अध्यक्षता करेंगे। मुख्य वक्ता माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी रहेंगे। इस अवसर पर माधवराव सप्रे पत्रकारिता सम्मान से प्रखर संपादक श्री विष्णु प्रकाश त्रिपाठी, महेश गुप्ता सृजन सम्मान से प्रेरक वक्ता डा. विजय अग्रवाल और मनोज पाठक न्यू मीडिया पुरस्कार से राकेश मालवीय को विभूषित किया जाएगा। कीर्तिशेष मनोज पाठक के मित्रों-स्वजनों की भावांजलि पर केन्द्रित पुस्तक मित्र स्मृति स्मरण मनोज पाठक का विमोचन अतिथि करेंगे।

सप्रे संग्रहालय के निदेशक अरविंद श्रीधर ने बताया कि हरिवंश के व्याख्यान का विषय डिजिटल युग में हिन्दी पत्रकारिता की चुनौतियाँ रखा गया है। प्रकाश दुबे पत्रकारिता का वर्तमान परिदृश्य और साख का संकट, भारतीय मीडिया परिषद की आवश्यकता पर वक्तव्य देंगे। विजय मनोहर तिवारी हरिवंश कृत समय के सवाल सामाजिक सरोकारों और समसामयिक सवालों के लिए सचेत संपादक के बहुआयामी कृतित्व का मूल्यांकन प्रस्तुत करेंगे। हिन्दी पत्रकारिता की द्वि-शताब्दी के प्रसंग में विष्णु प्रकाश त्रिपाठी के व्याख्यान का विषय है- हिन्दी पत्रकारिता को कानपुर की देन।

साधु वासवानी स्कूल में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का प्रारंभ

योग हमारे शारीरिक, मानसिक एवं आत्मबल के लिए अत्यंत आवश्यकः विष्णु गेहानी

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा सचालित साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी ऑडिटोरियम में ग्यारहवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की पूर्व तैयारी हेतु तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि योग हजारों साल पुरानी परंपरा है और इस परंपरा को बढ़ावा दिया है। स्वास्थ्य की दृष्टि से व बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर करने में योग अत्यंत आवश्यक है हमें गर्व होना चाहिए कि भारत में इसकी उत्पत्ति हुई और अब यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच चुका है। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक हेमंत सुकरिकर ने अपने विचार रखते हुए कहा कि योग द्वारा हम कई बीमारियों से बच सकते हैं, योग हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है अतः प्रतिदिन 15 मिनिट अपने शरीर को अवश्य दें इससे आप दिनभर स्फूर्तिदायक रहेंगें और आप में काम करने की क्षमता बढ़ेगी।

संत निरंकारी मिशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशव्यापी होगा आयोजन

इधर, संत निरंकारी मिशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को प्रात 6 बजे भारतवर्ष के 1000 से अधिक स्थानों पर एक साथ 'योग दिवस' का भव्य आयोजन किया जाएगा। मिशन की विभिन्न शाखाओं में यह आयोजन स्थानीय योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खुले मैदानों एवं पार्कों में किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु, सेवादल स्वयंसेवक एवं स्थानीय नागरिक उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। इस वर्ष संयुक्त राष्ट संघ द्वारा घोषित 'अंर्तराष्टीय योग दिवस' का विषय 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है जो सम्पूर्ण मानवता को यह संदेश देता है कि व्यक्ति का वास्तविक स्वास्थ्य तभी पूर्ण माना जाता है जब वह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक रूप से संतुलित और जागरूक हो। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए संत निरंकारी मिशन अपने आध्यात्मिक और सामाजिक प्रयासों के अंतर्गत योग को समग्र कल्याण का माध्यम मानते हुए निरंतर प्रयासरत है।

युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण ने की मध्यप्रदेश में सदस्यता और मतदान की तिथियों की घोषणा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण द्वारा मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस चुनाव के संबंध में आज प्रेसवार्ता कर सदस्यता और मतदान अभियान के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई। मध्यप्रदेश में यह चुनाव अभियान आज दिनांक 20 जून 2025 से प्रारंभ होकर आगामी माह 19 जुलाई 2025 को सायंकाल 05.00 बजे तक चलेगा। सदस्यता शुल्क 50 रूपए भुगतान की अंतिम तिथि 21 जुलाई सायंकाल 05.00 बजे तक निर्धारित की गई है।

भारतीय युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश में पूरे 01 महीने के दौरान सदस्यता अभियान में सदस्यता और मतदान With IYC App पर ऑनलाइन किया जा सकेगा। चुनाव प्राधिकरण ने पत्रकार बंधुओं को जानकारी देते हुए बताया कि ब्लॉक कमेटी, विधानसभा कमेटी, जिला महासचिव, जिला अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए मतदान किया जाएगा। सदस्यता और मतदान में मध्यप्रदेश के 18 से 35 वर्ष तक के सभी पात्र युवक-युवतियां इस प्रक्रिया में भाग लें। भारतीय युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण द्वारा मध्यप्रदेश में प्रारंभ होने जा रहे युवा कांग्रेस चुनाव हेतु मतदान के दौरान दस्तावेज पहचान पत्र के रूप में वोटर आईडी कार्ड एवं ई मतदान पहचान पत्र के साथ स्वयं का आधार कार्ड दिखाने की वैद्यता रखी गई है। सदस्यता और मतदान का पूर्ण कार्य With IYC App के द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया से संचालित रखा गया है। चुनाव प्राधिकरण द्वारा पत्रकार वार्ता के दौरान पत्रकार बंधुओं को यह भी जानकारी दी गई है कि मध्यप्रदेश में सदस्यता और मतदान के उपरांत जॉच करने के पश्चात् चुनाव परिणाम की घोषणा की जाएगी।

अंत में चुनाव प्राधिकरण के सदस्यों ने मध्यप्रदेश के युवक-युवतियों से अपील की है कि आप बढ़-चढ़ कर इस चुनावी प्रक्रिया में भाग लें। चुनाव प्राधिकरण द्वारा यहाँ यह भी स्पष्ट किया गया है कि जो चुनाव लड़ने वाले पात्र उम्मीदवार हैं उनके द्वारा चुनाव प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता अथवा गड़बड़ी की जाएगी तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित कर उनका संरक्षण करें: मंत्री प्रहलाद पटेल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कुंडम विकासखंड के ग्राम पंचायत बैरागी में परियट नदी के उद्गम स्थल ग्राम खाम्हा और कुंडम में हिरण नदी के उद्गम स्थल कुंडेश्वरधाम में गंगा जल संवर्धन अभियान अंतर्गत जल स्त्रोतों का पूजन किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बहुत पहले जबलपुर में परियट नदी से ही जल आपूर्ति होती थी, लेकिन आज इसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हम सब नदियों के जल से संबंध रखते हैं, लेकिन मुख्य बात पर विचार करना चाहिए कि आखिर जल नदियों में आता कहां से है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस बात की चिंता करनी चाहिए कि जल स्त्रोत सूखने नहीं चाहिए। जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि जल संरचनाओं के गाद व मिट्टी को हटाकर उन्हें पुनर्जीवित किया जाये।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है, अतः नदियों का संरक्षण भी करें। नदियों को पुनर्जीवित करने से कभी पानी की समस्या नहीं होगी। नर्मदा में छोटी-छोटी नदियों से पानी आता है, ऐसे जल स्त्रोंतों को बनाये रखने के लिए सघन रूप से वृक्षारोपण करें। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय मकर संक्रांति, शिवरात्रि और अक्षय तृतीय में जल स्त्रोंतों में पूजन-अर्चन कर प्रकृति की अराधना करते हैं, कहीं-कहीं तो नवरात्रि के दोनों पर्व पर भी जल स्त्रोतों की पूजा होती है। पंचायत मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने ग्राम मटामर के कैलाशधाम पहुचकर दर्शन व पूजन किया तथा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जुलाई माह में होने वाली कावड़ यात्रा के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह 15वीं कावड़ यात्रा होगी, इसे भव्यतम बनाने के सभी समुचित प्रयास किये जायें। जहां से यात्रा गुजरती है वहां के सड़क मार्ग को सुव्यवस्थित किया जाये। कैलाश धाम के पास पहाड़ी के रास्ते का चौड़ीकरण किया जाये तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था भी की जाये। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण करें, क्योंकि वृक्ष वर्षाजल को आकर्षित करते हैं, साथ ही ऑक्सीजन व कई बहुमूल्य उत्पाद भी प्रदान करते हैं। इस दौरान पनागर विधायक सुशील तिवारी इंदु, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे।

जब तक नदियां बारहमासी नहीं होगी तब तक बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा पाना चुनौती

भोपाल। मध्यप्रदेश को नदियों को मायका कहा जाता है, 247 से अधिक नदियों का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश में है, भारत के किसी भी राज्य में इतनी नदियों का उद्गम नहीं है, हमारी नदियों का पानी मॉ नर्मदा, गंगा, गोदावरी के बेसिन में जाता है। हम सभी सौभाग्यशाली है कि यहॉ गौरेया नदी का उद्गम है। इस स्थल पर फैंसिंग कर पौधे लगाये-जायेंगे और वहॉ कुंडी भी बनाई जायेगी जिससे लगे कि यह गौरेया नदी का उद्गम स्थल है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने तेंदूखेड़ा के ग्राम इमलीडोल में गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत गुरूवार को समारोह को संबोधित किया। मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि जल ही जीवन है, जल है तो कल है, इसे संरक्षित और सहेज कर रखें क्योंकि जल के बिना प्राणियों का जीवन असंभव है इसलिए जल के संरक्षण के साथ जल देने वाले कुॅओं, तालाब और नदी को साफ सुथरा रखें और उन्हें संरक्षित करें। उन्होंने कहा कि जब तक नदियां बारहमासी नहीं होगी तब तक बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा पाना चुनौती है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अवश्य लगाये। उन्होंने सभी से पेड़ लगाने का आहवान करते हुए कहा कि ग्राम के लोग यहां पर पेड़ जरूर लगाएं। मॉ नर्मदा के परम भक्त दादा गुरू जी ने भी समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम में जनसामान्य के अलावा जन-प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान

शासकीय-अशासकीय भवनों में जल संग्रहण के लिये वाटर हार्वेस्टिंग को प्राथमिकता

भोपाल। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में 30 मार्च से शुरू किये गये कार्य लगभग पूरे किये जा चुके है। जिला प्रशासन द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा की जा रही है। प्रदेशव्यापी अभियान 30 जून को संपन्न हो जायेगा। जिलों में जल स्त्रोतों के आसपास व्यापक पौधरोपण योजना तैयार की जा रही है। जल संरक्षण के लिये शासकीय-अशासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग को प्राथमिकता दी गई है।

अशोक नगर में जल गंगा संवर्धन अभियान में संविधान वाटिका एवं पिपलेश्वर महादेव मंदिर न्यायालय परिसर में जल संरक्षण के लिये रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण किया गया है। यह कार्य जिला न्यायाधीश संजीव सिंघल के मार्गदर्शन में किया गया। वर्षा काल के दौरान जल को संरक्षित करने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण किया गया है। संविधान वाटिका एवं पिपलेश्वर महादेव मंदिर न्यायालय परिसर में सोखते गड्ढो का निर्माण किया गया है।

खंडवा जिले में गिरते भू-जल स्तर को रोकने और वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिये जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी शासकीय और निजी भवनों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर स्थापित किए जा रहे हैं। इस पहल में जिला प्रशासन, नगरीय और ग्रामीण स्थानीय निकायों, उद्योगों, स्वयंसेवी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, गृहस्वामियों, पंचायतों और समुदाय आधारित संगठनों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। खंडवा में इस विषय को लेकर जल संवाद कार्यशाल हुई। कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को पानी की बचत की शपथ दिलाई गई। कार्यशाला को कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता ने संबोधित किया।

नरसिंहपुर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामीण अंचल में जल सहेजने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद की विभिन्न समितियों द्वारा दीवार लेखन का कार्य किया जा रहा है। दीवार लेखन के माध्यम से विभिन्न प्रेरक स्लोग के जरिये लोगों को प्रेरित कर जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड चीचली के ग्राम रहमा- बेलखेड़ी में जल संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से दीवार लेखन का कार्य किया गया।

पांढुर्णा जिले में कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा के निर्देश पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक और उनकी टीम ने अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने के लिये जल यात्रा निकाली। विकासखंड पांढुर्णा के ग्राम उमरीखुर्द में जल चौपाल लगाकर जनसमुदाय को जल की महत्ता बताई गई। ग्रामीणों को क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधरोपण करने के लिए भी प्रेरित किया गया। ग्रामीणों को जल संरक्षण व संवर्धन की शपथ दिलाई गई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से प्रारंभ किया है जो कि 30 जून तक चलेगा। शहडोल जिले में अभियान में निरंतर गतिविधियाँ चल रही है। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जा रहे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णाद्धार किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं जल एकत्रित करने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत धनगंवा मं नवीन खेत तालाब निर्माण के कार्य सामूहिक भागीदारी से किये गए।

आगर-मालवा जिले में जल शक्ति अभियान, केच द रेन के तहत केंद्रीय नोडल अधिकारी सुश्री गरिमा श्रीवास्तव के समक्ष प्रशिक्षित महिला देवबाई, जस्सूबाई रेखाबाई और संतोष बाई ने पानी का पी. एच. मान का टेस्ट लगा कर पानी की गुणवात्ता जांची। केन्द्रीय दल द्वारा महिलाओं के कार्य की प्रशंसा की गई। जिले में प्राचीन बावड़ियों की पहचान कर उनके महत्व की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। ग्रामीणों को जल स्त्रोंतो की साफ-सफाई निरंतर किये जाने की शपथ दिलाई गयी।

डिंडौरी जिले में कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा की। जिले में 2200 खेत तालाब बनाये जा रहे है। इनमें से अंधिकाश पूरे हो चुके है। जिले में 1500 कुओं का जल स्तर बढाने के लिये रिचार्ज संरचनाएं बनाई जा रही है। जिले के जनपद पंचायत में 187 सार्वजनिक तालाब का निर्माण किया जा रहा है। कलेक्टर ने सभी कार्य गुणवत्ता के साथ आगामी 7 दिन में पूरा करने के निर्देश दिये।

सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों में मध्यप्रदेश में जिंदा रहेंगे मंगू भाई ...

कौशल किशोर चतुर्वेदी

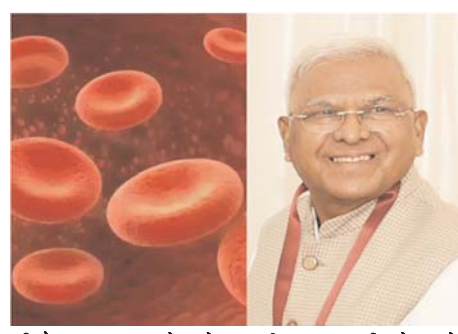

वैसे तो राज्यपाल मंगू भाई पटेल का कार्यकाल मध्य प्रदेश में कई घटनाओं के लिए जाना जाएगा। पर मध्य प्रदेश में राज्यपाल के रूप में यदि उनके सबसे महत्वपूर्ण कार्य की बात होगी तो सिकल सेल उन्मूलन के लिए किए गए उनके प्रयास स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किए जाएंगे। हर व्यक्ति का एक महत्वपूर्ण कर्तव्य होता है कि जिस समाज ने उसे जन्म दिया है और पाल-पोसकर बड़ा किया है, उस समाज के लिए वह अपने जीवन में कुछ योगदान कर पाए। और आदिवासी समाज का होने के नाते मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल यहां के जनजाति समाज में फैले सिकल सेल रोग के उन्मूलन के लिए जिस स्तर पर प्रयास कर रहे हैं वह वाकई सराहनीय है और समाज को बहुत कुछ लौटाने में उनके यह प्रयास किसी महायज्ञ से कम नहीं हैं। और उनके प्रयासों में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री सह स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल सारथी बनकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी में हुए राज्य स्तरीय सम्मेलन में राज्यपाल मंगू भाई पटेल का उत्साह देखकर उनके समर्पण का अंदाजा लगाया जा सकता था। जैसा कि उन्होंने कहा भी कि सिकल सेल के संपूर्ण उन्मूलन के लिए हम सबकी सक्रिय सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। सबके विश्वास, साथ और प्रयासों से ही रोग का उन्मूलन होगा। वास्तव में देखा जाए तो मध्य प्रदेश में राज्यपाल मंगू भाई पटेल के प्रयासों से ही सिकल सेल उन्मूलन में सबका साथ पूर्णता लिए है और आदिवासी समाज में इस रोग से मुक्त होने का विश्वास भी जागा है।

राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने स्वयं जनजातीय समुदाय से आने की बात कहते हुए समुदाय के प्रतिनिधियों से अपील की है कि जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल के जनजागरण प्रयासों में सतत, सक्रिय और संवेदनशीलता के साथ सहयोग करें। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि सिकल सेल उन्मूलन के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोगी बनें। वास्तव में मध्य प्रदेश में सिकल सेल उन्मूलन के प्रति जनजातीय समाज में जो जागरूकता दिख रही है वह सतत रूप से किए गए राज्यपाल मंगू भाई पटेल के प्रयासों का प्रतिफल ही है। मध्य प्रदेश में वह अपने कार्यकाल के पहले साल से लेकर अब तक लगातार सिकल सेल उन्मूलन पर चिंतन-मनन कर योजनाबद्ध तरीके से प्रयासों को फलीभूत होने के लक्ष्य तक पहुंचा रहे हैं। और वह इस उपलब्धि के लिए सबको श्रेय देकर गदगद भी हैं। राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनजाति जीवन के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित और संवेदनशील व्यक्तित्व है। उनके नेतृत्व में भारत में जनजाति कल्याण का स्वर्ण युग चल रहा है। सिकल सेल उन्मूलन मिशन के तहत प्रदेश सरकार सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों के लिए राज्य सरकार की पूरी टीम को बधाई दी। पर करीब से देखने वाला हर व्यक्ति यह समझ सकता है कि मध्यप्रदेश में केंद्र में मंगू भाई पटेल का चेहरा ही है जो टीमवर्क के साथ सिकल सेल पर लगातार आघात कर रहा है। जनजाति समाज में फैले सिकल सेल रोग की वेदना मंगू भाई के मन में समाई है। और उनकी यही वेदना जनजाति समाज को सिकल सेल से मुक्ति देकर विजय रूप में परिणत होती दिख रही है। उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई करने वाले जनजाति समुदाय के विद्यार्थियों से अपील की कि वे सिकल सेल रोग उन्मूलन के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करें। इस बीमारी पर शोध करें। अपने ग्रामीण अंचलों में जागरूकता प्रयासों में सहभागी बनें। अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग अपने समुदाय के कल्याण और विकास में करें। वास्तव में उनकी यह भावना जनजाति समाज के होनहार छात्र-छात्राओं में रंग ला चुकी है। और इस कार्यक्रम में भी ऐसी ही दो होनहार आदिवासी महिला स्वास्थ्य अधिकारियों को सिकल सेल उन्मूलन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे समाज में शादी से पहले कुंडली मिलान की परंपरा है। अब समय आ गया है कि कुंडली के साथ हम वर-वधु का 'सिकल सेल जेनेटिक कार्ड' भी मिलाएं। पति-पत्नी दोनों को सिकल सेल से पीड़ित नहीं होना चाहिए वरना बच्चों का भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता है। और इस बीमारी का पता जितनी जल्दी चल जाए इसे नियंत्रित करने और रोगी को स्वस्थ रखने की संभावना उतनी ही अधिक होती है। प्रदेश का जनजातीय समाज बड़ी संख्या में इस बीमारी से प्रभावित है। सिकल सेल हमारे लिए केवल एक स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। वर्ष 2047 तक सिकल सेल को जड़ से मिटाने का लक्ष्य लेकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 प्रारंभ किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्क्रीनिंग, रोग प्रबंधन, परामर्श और जन-जागरूकता, इन चारों महत्वपूर्ण स्तरों पर प्रदेश में समन्वित रूप से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 6 लाख से अधिक नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है। सभी चिन्हित मरीजों को हाइड्रॉक्सी यूरिया, फॉलिक एसिड और निःशुल्क रक्तदान की सुविधा दी जा रही है। सिकल सेल रोगियों की जेनेटिक कॉउंसिलिंग का कार्य भी जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने साझा किया कि राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने प्रदेश ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर सिकल सेल एमीनिया के प्रति जागरुकता अभियान चलाया है। प्रदेश के जनजातीय क्षेत्र को इसका लाभ मिला है।

वहीं उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि वर्ष 2024-25 में 90 लाख स्क्रीनिंग लक्ष्य पर मध्यप्रदेश 97 लाख नागरिकों की स्क्रीनिंग कर देश में अग्रणी रहा है। अब तक 1 करोड़ 6 लाख नागरिकों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। 1 करोड़ 40 लाख नागरिकों की स्क्रीनिंग शीघ्र सुनिश्चित करने के लिए 1 जुलाई से 100 दिवस का विशेष अभियान चलाया जाएगा। अब तक 2 लाख से अधिक सिकल सेल वाहक और 29,277 सिकल सेल रोगी चिन्हित हुए हैं। 80 लाख 9 हजार से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किये जा चुके हैं। 26,115 मरीजों को हाइड्रॉक्सी यूरिया दवा से उपचार मिला है। स्वास्थ्य सेवाओं का सतत विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने भी कहा कि राज्यपाल पटेल के सतत् प्रयासों से अभियान को कसावट मिली है।

तो यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि भले ही मध्य प्रदेश में सिकल सेल उन्मूलन के लिए मध्य प्रदेश सरकार डॉ. मोहन यादव, राजेंद्र शुक्ल सहित पूरा अमला हाथ, पैर, नाक, कान, मुंह के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हों, पर सिकल सेल उन्मूलन के इस महत्वपूर्ण महायज्ञ में दिल और दिमाग के रूप में राज्यपाल मंगू भाई पटेल ही मौजूद हैं। और सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों में मध्यप्रदेश में मंगू भाई पटेल हमेशा जिंदा रहेंगे और पूरे देश में भी उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकेगा।

ऊर्जा मंत्री ने 47 ट्रायसिकल, 2 व्हील चेयर एवं 359 हितग्राहियों को वितरित किए प्रमाण पत्र

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने गुरुवार को दिव्यांगों को 47 ट्रायसिकल व 2 व्हील चेयर एवं 359 हितग्राहियों को कामकाजी महिला कार्ड, आयुष्मान कार्ड, कल्याणी पेंशन और राशन पात्रता पर्चियों का वितरण किया। ग्वालियर रेसकोर्स रोड स्थित स्थानीय आवास पर यह सहायता वितरित करते हुए ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इसी भाव के साथ प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय एवं अन्य जरूरतमंदों की मदद पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर रही है।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने जन समुदाय से कहा कि आप सबके सहयोग से ग्वालियर उप नगर की तस्वीर बदल रही है। केन्द्र व राज्य सरकार कृत संकल्पित होकर देश व प्रदेश के विकास में जुटी हैं। सरकार से ग्वालियर उपनगर के विकास के लिये लगातार धनराशि प्राप्त हो रही है, इससे इस क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मैं ट्राई साईकिल वितरण कर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा कि स्वच्छता के मामले में ग्वालियर को अव्वल बनाना है। इसलिए अपने घर व अपनी गली को स्वच्छ रखना हमें अपनी आदत में शामिल करना होगा, तभी हम स्वच्छ ग्वालियर के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर राज्य और केन्द्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 359 हितग्राहियों को हित लाभ के प्रमाण पत्र वितरित किए गये। ऊर्जा मंत्री ने कहा वे नियमित रूप से फेसबुक पर लाइव होते हैं। इसके जरिए भी मुझसे जुड़कर नाकरिक अपनी समस्या बता सकते हैं।

नया इंदौर नहीं, नया ग्वालियर बसाए मप्र सरकार

राकेश अचल

मेट्रोपॉलिटन रीजन में इंदौर, उज्जैन, धार, देवास और शाजापुर की 29 तहसीलों के 1756 गांवों को मिलाकर इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन (आइएमआर) का प्लान तैयार किया गया है। कुल क्षेत्रफल 9336 वर्ग ! किमी होगा। मप्र सरकार प्रदेश के पुराने शहरों का उन्ननयन करने के बजाय एक नया शहर बसाने जा रही है. जबकि चार दशक पहले प्रदेश में इसी तरह की एक महत्वाकांक्षी योजना पूरी तरह नाकाम हो चुकी है।

खबर है कि मप्र की यादव सरकार इंदौर सहित पांच जिलों को मिलाकर एक नया शहर बनाने का सपना साकार करना चाती है.बनाए जा रहे इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन (आइएमआर) को सरकार ने मंजूरी दे दी है। अब उसे आकार देने का काम चल रहा है जिसमें किस क्षेत्र में क्या विकसित किया जाएगा जिस पर मंथन चल रहा है। ये फॉर्मूला तय हो गया है कि रीजन में 5 से 7 लाख आवादी के लिए सैटेलाइट टाउनशिप बनाई जाएगी। सर्वसुविधायुक्त आवास, मनोरंजन, स्कूल, अस्पताल, बाजार सहित सुविधाएं होंगी, ताकि लोग इंदौर या उज्जैन की तरफ न जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार ने इंदौर के राजबाड़ा में हुई कैबिनेट में इंदौर और भोपाल के मेट्रोपॉलिटन रीजन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जिसके बाद रीजन की गतिविधियां तेज हो जाएंगी। इंदौर रीजन को लेकर आवासीय, औद्योगिक व पर्यावरण पर विशेष फोकस किया गया है। इंदौर रीजन के प्लान में इंदौर-उज्जैन और इंदौर-देवास के बीच नई सैटेलाइट टाउनशिप तैयार करने की योजना को आकार दिया जा रहा है। शुरुआत में एक, लेकिन रीजन में ऐसी पांच से सात टाउनशिप बनाने की संभावना रखी है।

मेट्रोपॉलिटन रीजन में इंदौर, उज्जैन, धार, देवास और शाजापुर की 29 तहसीलों के 1756 गांवों को मिलाकर इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन (आइएमआर) का प्लान तैयार किया गया है। कुल क्षेत्रफल 9336 वर्ग ! किमी होगा।

सैटेलाइट टाउन को दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से जोड़ा गया है। बाद में रीजन को जोड़ने से अलग से सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जो इकोनॉमिक कॉरिडोर का काम करेंगी। इंदौर में एयरपोर्ट के विस्तार पर भी काम होगा तो उज्जैन व वेवास में हवाई पट्टी रखी जाएगी। मेट्रो ट्रेन को भी रीजन में जोड़ने का प्रयास होगा, ताकि लोक परिवहन का ज्यादा उपयोग हो।

जिन जिलों के गांवों को जोड़कर बनेगा एक शहर उनमें इंदौर जिला का 3901.6 वर्ग किमी. क्षेत्र की तहसील बिचौली हप्सी, देपालपुर, गहू, हातीद, इंदौर, कनाड़िया, खुड़ैल मल्हारगंज, राऊ और सांवेर। के 690 गांव लिए जाएंगे.उज्जैन जिला का2740.5 वर्ग किमी क्षेत्र जिसमें तहसीलः बड़नगर, घट्टिया, खाचरौद, कोठी महल, नागदा, तराना, उज्जैन, उज्जैन नगर और उन्हेल के 512 गांव शामिल होंगे।

इस परियोजना में देवास जिला के 444 गांव, धार के 107 गांव और शाजापुर जिला के 3 गांव शामिल होंगे।

मप्र सरकार अतीत में झांके बिना प्रदेश का एकांगी विकास कर दूसरे क्षेत्रों की अनदेखी कर रही है। प्रदेश में सबसे पहले नया शहर बनाने का सपना भाजपा नेता स्वर्गीय शीतला सहाय ने देखा था। उन्होने केंद्रीय राजधानी परियोजना के तहत ग्वालियर में नया ग्वालियर बसाने की यैजना बनाई थी, जिसे बाद में कांग्रेस की सरकार बनने पर तत्कालीन केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया ने आगे बढाया था। नये ग्वालियर की बसाहट के लिए मप्र सरकार ने विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण भी बनाया. इस प्राधिकरण ने ग्वालियर, मुरैना और भिंड जिले के सैकडों गांव शामिल किए. और 750वर्ग किलो मीटर क्षेत्र को इसमें शामिल किया गया.धडाधड जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई हुई. और तिघरा क्षेत्र में नये ग्वालियर की बसाहट के लिए सडकों का जाल बिछा दिया गया.6000 भूखंड बेच दिए गये। 1000 आवास बनाकर बेचने की कोशिश की गई।

नये ग्वालियर में बिजली, पानी की परियोजना पर पिछले 30 साल में करोडों रुपये खर्च कर दिए गये लेकिन आजतक ये शहर बस नही पाया. बनाए गये मकान खंडहर हो गए, सडके बार बार बनकर टूट गई लेकिन इस नये शहर में कोई कनेक्टिविटी न दे पाने की वजह से पूरी योजना फ्लाप हो गई।

मजे की बात ये है कि नया ग्वालियर बसाने के लिए बनाया गया विशेष प्राधिकरण आज भी सफेद हाथी बना हुआ है। प्राधिकरण और काउंटर मेग्नेट सिटी के साथ 25साल से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पिता स्वर्गीय माधव राव सिंध का नाम भी बाबस्ता है लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया भी इस परियोजना को लेकर मौन साध चुके हैं। बेहतर होता कि ज्योतिरादित्य इंदौर में नया शहर बसाने की योजना का पुरजोर विरोध करते हुए नये ग्वालियर को बसाने की योजना के लिए लडते. लेकिन ऐसा हो नहीं सका, क्योंकि अब टाइगर मिमियाने लगा है।

प्रदेश में नया शहर बसाने के लिए मालवा क्षेत्र को चुने जाने से प्रदेश के विकास में असंतुलन पैदा हो जाएगा। बेहतर हो कि सरकार अपने इंदौर प्रेम पर काबू कर प्रदेश की पहली नया शहर योजना को पूरा करने का काम करे। ग्वालियर के जनप्रतिनिधियों को इस मुद्दे को प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाकर आगे आना चाहिए। अन्यथा ग्वालियर हमेशा की तरह विकास की मुख्यधारा में शामिल होने से वंचित रह जाएगा।

संपादकीय

हमला बनाम आत्मरक्षा का अधिकार

राकेश दुबे

अमरीकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर लिखा है-'हमें पता है कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई कहां छिपे हैं? वह आसान टारगेट हैं, लेकिन अभी वहां सुरक्षित हैं, क्योंकि अभी हम उन्हें मारना नहीं चाहते।' लगभग यही भाषा इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बोल रहे हैं। दोनों नेताओं के पास पर्याप्त जानकारी है कि ईरान के 'मजहबी नेता' मौजूदा दौर में बेबस और अलोकप्रिय हैं। यदि अमरीका या इजरायल उन्हें निशाना बना कर खत्म करते हैं, तो ईरान में किसी भी तरह का विद्रोह नहीं होगा। ये हालात तब से बने हैं, जब ईरान में एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता माहसा अमीनी को जेल में यातनाएं देकर मार दिया गया था। महिलाएं सडक़ों पर उतरी थीं। उन्होंने अपने बुर्के जलाए थे। बाल काट-काट कर आग के हवाले कर दिए थे। उन विरोध-प्रदर्शनों के दौरान भी खामेनेई हुकूमत ने 500 से अधिक महिलाओं को मार दिया था। उस सोच के तबके आज भी 'मजहबी नेता' की हुकूमत के खिलाफ हैं। तेहरान में करीब 98 लाख लोग बसते हैं। शहर छोडऩे की होड़ मची है। खाड़ी देशों और इजरायल में करीब 1 करोड़ भारतीय व्यापार और नौकरी कर रहे हैं और विद्यार्थी भी हैं। अकेले ईरान में ही 10,765 भारतीय हैं, जिनमें 1500 से अधिक छात्र हैं। वे सभी अस्थिर होंगे। इजरायल-ईरान युद्ध पर महत्वपूर्ण रुख अख्तियार करने का मौका जी-7 समूह के विकसित और संपन्न देशों के पास भी था, लेकिन वे चूक गए और संघर्ष कम करने का ही आह्वान कर सके। उन्होंने इजरायल का पक्ष भी लिया और हमले को 'आत्मरक्षा का अधिकार' करार दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए, बल्कि शिखर सम्मेलन के अधबीच ही वाशिंगटन लौट गए।उन्होंने कहा है कि हम जंग का अंत चाहते हैं, बिल्कुल अंत, सिर्फ युद्धविराम के पक्ष में नहीं हैं। अंत तभी होगा, जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद करना स्वीकार कर लेगा। हम ईरान के पास परमाणु बम नहीं देख सकते और न ही वह बना सकता है, लिहाजा ईरान 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' करे। एक तरफ अमरीका का रुख यह है और दूसरी तरफ 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान यूरोप भेजे हैं, जिससे युद्ध समाप्त किए जाने की मंशा साफ नहीं होती। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में जो समग्र कार्य योजना बनाई गई थी, उसमें ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को अच्छी तरह काट दिया गया था। कोई भी सैन्य अभियान यह संभव नहीं कर सकता। विडंबना है कि ट्रंप उस कार्य योजना को खारिज कर चुके हैं। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। यह दोनों पक्षों के लिए हानिकारक ही होता है। साथ ही इससे पूरे विश्व की शांति भी भंग होती है।

सांसद आलोक शर्मा को गुस्सा क्यों आता

कौशल किशोर चतुर्वेदी

भोपाल सांसद आलोक शर्मा इन दिनों एक के बाद एक लगातार अपने बयानों से चर्चा में बने हुए हैं। जब भी कुछ गलत देखते हैं तब आलोक शर्मा का पारा सातवें आसमान पर पहुंच जाता है। चाहे लव जिहाद हो या सड़कों पर ट्रैफिक जाम या फिर मुस्लिम क्षेत्रों में देर रात तक खुले रहने वाले बाजारज्सांसद आलोक शर्मा जब यह सब देखते हैं तो आगबबूला हो जाते हैं। और इसके बाद चाहे पुलिस हो या जिला प्रशासन वह इनके सामने गलत के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर देते हैं। जैसे इन दिनों ई-रिक्शा पूरे शहर में ट्रैफिक बदहाली के पर्याय बन गए हैं। आलोक शर्मा ने भोपाल कलेक्टर, पुलिस आयुक्त सहित अफसरों की बैठक लेकर ई-रिक्शा को व्यवस्थित करने के लिए नई पॉलिसी बनाकर समस्या का समाधान करने की बात कही है। तो कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को उन्हीं की भाषा में करारा जवाब देते हुए सांसद आलोक शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस गुंडे बदमाशों की फौज है। कांग्रेस के पास जोकरों की भरमार है और यह जोकरपने से राजनीति नहीं चलती है।

जून के पहले सप्ताह में भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने लव जिहाद पर सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि लव जिहाद की आड़ में बहनों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने जिमों की सूची बनाकर पुलिस को सौंपने की बात कही थी। यह बयान इंदौर में मुस्लिम युवक द्वारा हिंदू युवतियों से दुष्कर्म के मामलों के बाद आया था। सांसद ने सख्त कानून कार्रवाई की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि भोपाल के जिमों में मुस्लिम ट्रेनरों की मौजूदगी पर सवाल उठते रहे हैं और वे ऐसी जिमों की सूची तैयार करवा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि कई मुस्लिम ट्रेनर 'लव जिहाद' को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे अब राज्य सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।

तो इससे पहले मई के अंतिम सप्ताह में सांसद आलोक शर्मा ने कहा था कि भोपाल का काजी कैंप पाकिस्तान नहीं है। रात 10 बजे सभी बाजार बंद होंगे। चाहे न्यू मार्केट हो या काजी कैंप। भाजपा सांसद आलोक शर्मा ने कहा था कि भोपाल एक शहर है, यहां दो कानून नहीं चल सकते। राजधानी भोपाल में सामने आए लव जिहाद के मामले के बाद भाजपा नेता और सांसद आलोक शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। शर्मा ने कहा था कि शहर में अब रात 10 बजे के बाद कोई भी बाजार खुला नहीं रहेगा। शर्मा ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर सभी बाजारों को एक समान समय पर बंद कराने की मांग की थी। उनका कहना था कि यदि न्यू मार्केट, बरखेड़ा और संत हिरदाराम नगर जैसे क्षेत्रों में दुकानें 10 बजे बंद हो सकती हैं, तो काजी कैंप और शाहजहानाबाद जैसे इलाकों में बाजार रातभर क्यों खुले रहते हैं? शर्मा ने कहा था कि काजी कैंप पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है, वो भी भोपाल का ही हिस्सा है। एक शहर में दो कानून नहीं चल सकते। उन्होंने यह भी कहा था कि वे खुद अधिकारियों के साथ रात में शहर का निरीक्षण करेंगे और नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करवाई जाएगी। सांसद शर्मा ने कहा था कि लव जिहाद का आरोपी फरहान हिंदू युवतियों

तो निश्चित है कि जब बात लव जिहाद की सामने आती है तब सांसद आलोक शर्मा को गुस्सा आता है। तो यह बात भी निश्चित है कि जब एक ही शहर में बाजार बंद होने का अलग-अलग समय होगा, तो कभी ना कभी अराजकता की स्थिति बनना तय है। और यह स्थितियां देखकर आलोक को गुस्सा आ ही जाता है। और जब राजधानी की सड़कों पर ई-रिक्शा ट्रैफिक में बाधा डालने लगे तो यह देखकर आलोक शर्मा को गुस्सा आ ही जाता है कि पुलिस और प्रशासन हाथ पैर हाथ रखे क्यों बैठे हैं। अगर समस्या है तो ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के लिए नीति बनाएं।

को गुमराह करने के लिए सिर पर रोली का टीका, केसरिया गमछा और हाथ में कलावा पहनता था। शर्मा ने कहा कि इस घटना में गंभीर और आपत्तिजनक तथ्य सामने आए हैं, जो सोचने पर मजबूर करते हैं। सांसद शर्मा के अनुसार, आरोपी फरहान हिंदू युवतियों को भरोसे में लेने के लिए गरबा और नवरात्र के पंडालों में ले जाता था, ताकि बहनों को लगे कि उसने भी धर्म परिवर्तन कर लिया है। पीड़ित युवतियों ने बयान में बताया है कि आरोपी की हरकतें योजनाबद्ध थीं और उसका मकसद विश्वास जीतकर धोखा देना था। सांसद शर्मा ने कहा कि यह मामला बेहद गंभीर है और इसमें संलिप्त आरोपियों को कठोर दंड मिलना

चाहिए। आने वाला समय नवरात्र का है, इसलिए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। भाजपा सांसद शर्मा ने कहा था कि स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि युवतियों को सतर्क किया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया था कि विशेष वर्ग के लोग सुनियोजित षड्यंत्र के तहत हिंदू युवतियों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार है और यहां लव जिहाद किसी कीमत पर नहीं चलने दिया जाएगा।

तो निश्चित है कि जब बात लव जिहाद की सामने आती है तब सांसद आलोक शर्मा को गुस्सा आता है। तो यह बात भी निश्चित है कि जब एक ही शहर में बाजार बंद होने का अलग-अलग समय होगा, तो कभी ना कभी अराजकता की स्थिति बनना तय है। और यह स्थितियां देखकर आलोक को गुस्सा आ ही जाता है। और जब राजधानी की सड़कों पर ई-रिक्शा ट्रैफिक में बाधा डालने लगे तो यह देखकर आलोक शर्मा को गुस्सा आ ही जाता है कि पुलिस और प्रशासन हाथ पैर हाथ रखे क्यों बैठे हैं। अगर समस्या है तो ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के लिए नीति बनाएं। तो यही कहा जा सकता है जब भी कुछ सामने गलत दिखाता है तो सांसद आलोक शर्मा को गुस्सा आ ही जाता है और वह गलती को सुधारने के लिए पुलिस और प्रशासन से अनुरोध भी करते हैं और आक्रोशित भी हो जाते हैं।

गौरतलब है कि आलोक शर्मा भोपाल में पले-बढ़े हैं। उन्होंने युवावस्था से ही राजनीति में संघर्ष किया है और कांग्रेस के खिलाफ जनता में आवाज बुलंद की है। तो भाजपा की जमीन तैयार करने में कठिन परिश्रम किया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, संघ और जनसंघ सहित भारतीय जनता पार्टी के में रहकर उन्होंने राजनीति का यह मुकाम हासिल किया है। युवा मोर्चा और भाजपा में संगठनात्मक स्तर पर भी उन्होंने जिले से लेकर राज्य तक विभिन्न पदों को सुशोभित किया है। वह भाजपा के जिला अध्यक्ष भी रहे हैं तो भोपाल के महापौर के रूप में भी बेहतरीन पारी खेली है और अब भोपाल सांसद के रूप में लोकसभा में अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। ऐसे में लव जिहाद हो, हिंदू मुस्लिम इलाकों में बाजार खुलने का अलग-अलग समय हो या ट्रैफिक की बदहाल व्यवस्था होज्कुछ भी गलत देखें तो सांसद आलोक शर्मा को गुस्सा आ ही जाता है

आखिर अभिषेक बच्चन क्यों लापता होना चाहते हैं ?

मुकेश नेमा

कल परसो में कभी अभिषेक बच्चन ने कहा कि वे लापता होना चाहते हैं। इसलिए होना चाहते हैं ताकि खुद को तलाश कर सकें। ये बहुत महत्वपूर्ण सूचना थी। एकदम ब्रेकिंग न्यूज। इसे सुनकर देश भर में सन्नाटा पसर गया। दुनिया भर के कामकाजी लोगों ने अपने अपने काम छोड़े। अधलेटे हुए। अपनी अपनी ठुड्डियों पर हाथ धरे और सोच मे पड़े। इस मुद्रा में इसलिए आए लोग क्योंकि सोचने के लिए ये मुद्रा सबसे अधिक लोकप्रिय हमारे देश में। और ऐसा करता हुआ आदमी आमतौर पर विचारक मान लिया जाता है। आपकी जानकारी के लिए मैं भी सोचने वालो में शामिल हूँ। सोच रहा हूँ कि अभिषेक बच्चन ने जो कहा वो कितनी बड़ी बात है और उसे खींचतान कर और कितना बड़ा बनाया जा सकता है।

चलिए शुरू से शुरू करें। छोटे बच्चन ने ऐसा क्यों कहा। लापता हो जाना वैसे तो महत्वपूर्ण बात नही मानी जाती हमारे यहां। हर साल लाखों की तादाद मे लड़कियाँ बच्चे लापता होते रहते हैं हमारे देश मे। वो कहाँ गए। क्यों गए। कैसे गए। अब कहाँ हैं ? कभी वापस मिलेंगे या नही ऐसी मामूली बाते हम कभी नहीं सोचते। इसलिए नहीं सोचते क्योंकि हमें अभिषेक बच्चन की फ़िक्र है। वो छोटे बच्चन है फिर भी बड़े है। इसलिए भी बड़े है क्योंकि वो हिंदुस्तान के सबसे अच्छी क़िस्मत वाले बंदों की लिस्ट मे नंबर एक पर मौजूद है।

मेरी तो यही सलाह उन्हें कि लापता होने की मशक़्क़त करना फ़िज़ूल। आपको किसी से पूछने की जरूरत नही कि मेरा बाप कौन है ? आपकी अम्मा लगातार सांसद बनी हुई है। बीबी मिस वर्ल्ड है। आपको लापता होने बाबत सोचने की जरूरत क्या है ? चमचमाते लोगों की संगत मे रहते लोग दुनिया की नजर मे लापता ही होते है।

और फिर आपने लापता होने की सोची तो सोची। आपने खुद को तलाश करने जैसे मुश्किल काम की भी सोची। खुद को तलाशना आसान नही। आसान होता ये तो हमारे पास और भी बुद्ध और महावीर होते। देश स्वर्ग हो जाता अब तक। स्वर्ग न हो पाता तो कम से कम अमेरिका ज़रूर हो जाता। हम अमेरिका नहीं इसलिए छोटे छोटे टॉरगेट चुनते है। यदा कदा पाकिस्तान से उलझ लेते है। लड़ भिड़ लेते हैं थोड़ा सा। दोनो के मन का ग़ुबार निकल जाता है। दोनों देशों में राष्ट्रवाद की हवा चलती है और दोनो देशों के निवासी फूल से हलके हो जाते है।हम ऐसे काम करने मे कभी वक्त जाया नही करता जो औक़ात से बाहर हो।

सो छोटे बच्चन जी को यही सलाह मेरी। हर घर मे छोटे मोटे झगड़े होते रहते है। ऐसा कौन सा घर जिसमें सास बहू या मियाँ बीबी मे काँव काँव न होती हो। झगड़ा होना क़तई बुरी बात नही। बुरी बात मन मे गाँठ लगा लेना है और उससे भी गलत बात ट्वीटर पर लापता होने और खुद को तलाशने की मंशा जताना है। आप भारी भाग्यशाली। भाग्यशाली आदमियों को न हाथ पाँव हिलाने की जरूरत , न ऐसी गरिष्ठ बातें सोचने की।सो प्लीज़ ऐसा मत सोचिए। सोचने का काम हम पर छोड़ दीजिए। इस देश को तपाने के लिए हम पहले ही काफी है।

निष्ठुर सिस्टम को मुबारक लापरवाही का यह स्मारक

सरयूसुत मिश्रा

एमपी में टूरिज्म को प्रमोट करने के लिए टूरिस्ट स्थलों की खूबियों को बताने के लिए अजब-गजब मध्य प्रदेश कैंपेन चलाया गया था. यह काफी सफल भी था. प्रदेश में टूरिज्म बढ़ा लेकिन अजब-गजब खबरों से मध्य प्रदेश ऐसा जुड़ गया कि उसका पीछा ही नहीं छूट रहा है..!!

अब मध्य प्रदेश की अजब-गजब इंजीनियरिंग का नमूना सुर्खियों में है. सोशल मीडिया पर राजधानी भोपाल के ऐशबाग में बने नब्बे डिग्री पुल की चर्चा विश्व व्यापी हो गई है. भारत अपने इंजीनियरिंग कौशल से दुनिया को पिछाड़ रहा है, लेकिन मध्य प्रदेश की इंजीनियरिंग अपनी अक्षमता के रिकॉर्ड बना रही है. यह पुल कोई एक दिन में नहीं बना है. इसके डिजाइन में कंसल्टेंट भी लगे होंगे. करोड़ों का जनधन खर्च किया गया होगा. सरकार का सिस्टम शिलान्यास से लेकर हर स्टेज पर मॉनिटरिंग की औपचारिकता भी पूरी की होगी.

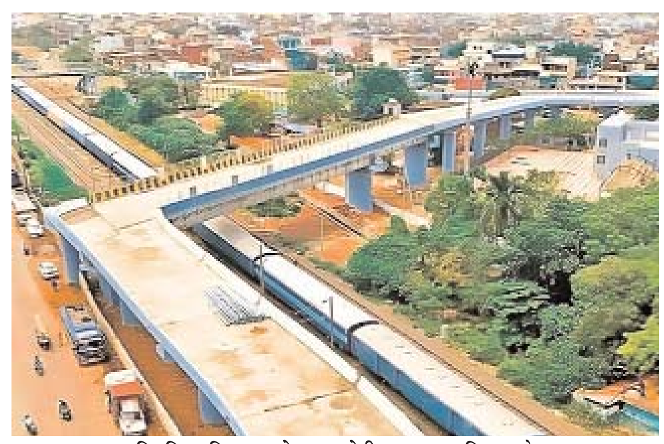

आश्चर्यजनक यह है, कि किसी भी स्टेज पर किसी भी जिम्मेदार का इस पर ध्यान नहीं गया, कि नब्बे डिग्री समकोण के साथ बना पुल जानलेवा साबित हो सकता है. यह पुल जिस क्षेत्र में है, उसका विधानसभा में प्रतिनिधित्व एक अति सक्रिय मंत्री द्वारा किया जाता है. ऐसा कहा जाता है कि उनके क्षेत्र में किसी भी कार्य पर उनकी नजर होती है. किसी भी विकास कार्य के लिए भले ही प्रक्रिया पूरी कर ली जाए लेकिन टेंडर उसे ही मिलेगा जो सरेंडर की मुद्रा में रहेगा. हर स्टेज पर पुल का क्रेडिट लेने में उनके द्वारा कोई कंजूसी नहीं की गई होगी. इतनी सक्रियता के बाद भी पुल के डिजाइन में जानलेवा इंजीनियरिंग लापरवाही की तरफ उनका भी ध्यान नहीं गया.

अब ऐसा बताया जा रहा है, कि इस पुल को पर्याप्त कर्व देने के लिए रेलवे से जमीन लेने की बातचीत चल रही है. पत्राचार हो रहा है. जब पुल तैयार हो गया तब कॉमन मैन का ही ध्यान इस पर गया होगा. मध्य प्रदेश की इंजीनियरिंग की अक्षमता की यह त्रासदी स्मारक के रूप में बनाए रखने में कोई बुराई नहीं होगी. ताकि निष्ठुर सिस्टम को जवाबदेही का सबक मिल सके. यह अकेला पुल नहीं है, भोपाल में अंबेडकर ब्रिज और बावड़िया कला, आरओवी डिजाइन में भी खामियां हैं. मेट्रो प्रोजेक्ट में भी कंसल्टेंट की गलतियां तब उजागर हुई थीं. जब मुख्य सचिव द्वारा उसका निरीक्षण किया गया था.

अगर राजधानी भोपाल का ही उदाहरण दिया जाए तो स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट आधा अधूरा पड़ा हुआ है. केवल अटल पथ दिखाई पड़ता है, जिसको अगर उपयोगिता की दृष्टि से देखा जाएगा तो इस पर खर्च धन बहुत उपयोगी नहीं लगेगा.राजधानी में निर्माण के नाम पर वृक्षों की बलि भी कहीं ना कहीं इंजीनियरिंग की प्लानिंग में खामियों के कारण होती हैं.

निर्माण की क्वालिटी पर तो चर्चा ही बेकार होगी. पुल बनकर तैयार होते हैं और उनमें से लीकेज की शिकायत चालू हो जाती है. हबीबगंज पर जो ब्रिज बना है, उसको लेकर की समस्या अभी से शुरू हो गई है. निर्माण की गुणवत्ता पर तो हमेशा सवाल खड़े होते हैं, अगर देखा जाए तो मध्य प्रदेश में इंजीनियर सर्विसेज को तो दोयम दर्जे में रखा गया है. कई बार उनकी सलाह भी नहीं मानी जाती है. सिस्टम का नियंत्रण जिस लेवल पर होता है, उनमें इंजीनियरिंग का योगदान नगण्य होता है . मध्य प्रदेश में डेम टूटने की भी घटनाएं सामने आई हैं. सबसे बड़ा सवाल यह है, कि निर्माण के लिए लेआउट और डिजाइन पर उच्च स्तर से ध्यान क्यों नहीं दिया जाता. निर्माण कार्य में करप्शन की शिकायतें आम हैं. इस पर पब्लिक लगभग समझौता कर चुकी है. करप्शन के बावजूद अगर निर्माण और सेवाएं सुविधाजनक ढंग से मिलती रहें तो किसी को भी करप्शन में कोई असुविधा नहीं है. निर्माण में सिस्टम के पार्ट करप्शन का अपना काम तो नहीं छोड़ते लेकिन लापरवाही और अक्षमता का खामियाजा पब्लिक को भुगतना पड़ता है.

गैर जवाबदेही और अक्षमता सिस्टम की त्रासदी बन गई है. पद पर पहुंचने का मतलब यह नहीं होता, कि सक्षमता की गारंटी है. सिस्टम में मॉनेटरिंग तो लगभग समाप्त हो चुकी है. हर स्टेज पर मिलीभगत के कारण ऐसी लापरवाही और खामियां सामने आती हैं. खामियों के लिए किसी की जिम्मेदारी तय नहीं होती. किसी को दंडित नहीं किया जाता. यह शायद इसलिए होता है, क्योंकि जिसने भी इस काम को अंजाम दिया है, वह सिस्टम के हर स्तर पर अपने तार बिछाए रखता है.

जमीन पर करप्शन के जो बीज बोए जाते हैं, उसके फल हर स्तर तक पहुंचते हैं. उसको पहुंचाने वाला सबसे निचले लेवल पर होता है. जब कभी ऐसी त्रासदी सामने आती है तो पूरा सिस्टम एक दूसरे को बचाने में लग जाता है.

नब्बे डिग्री पुल की निर्माण में इंजीनियरिंग की अक्षमता की फुल त्रासदी देखी जा सकती है. किसी एक को इसके लिए दोषी भी नहीं ठहराया जा सकता. पूरा सिस्टम इसके लिए दोषी है. सिस्टम के सोचने और काम करने का तरीका इसके लिए जिम्मेदार है. मॉनिटरिंग की व्यवस्था की इसमें पूरी असफलता है.

पुल सुविधा से गुजरने के लिए होता है. दुर्घटना में मरने के लिए इसे नहीं बनाया जाता. इस इंजीनियरिंग कौशल के लिए तो कोई शब्द ही नहीं हो सकते. जनता के लिए तो सिस्टम पर यही कहावत चरितार्थ होती है, कि इधर कुआं उधर खाई. सिस्टम के समकोण का पुल की डिजाइन में उतरना बेहद खतरनाक है.

विश्व संगीत दिवस

संगीत मानसिक शांति , स्थिरता प्रदान कर भावनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाता

योग गुरु महेश अग्रवाल

संगीत एक कला है जो हृदय के भावों को व्यक्त करती है और जीवन को सुंदर बनाती है।

नादयोग के अभ्यास से मस्तिष्क का भ्रम दूर होता है, मन को शान्ति प्राप्त होती है और ध्यान में सफलता मिलती है।

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र, स्वर्ण जयंती पार्क, कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर सभी समाज की जयंती, महापुरुषों की जयंती, सभी धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय पर्व उत्साह पूर्वक मनाये जाते है, स्वच्छता, नशामुक्ति वृक्षारोपण, पर्यावरण, शिक्षा, जैसे विषय पर जागरूकता अभियान एवं सभी राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय दिवस धूमधाम से मनाते हुए साधकों स्वस्थ रहते हुए सेवा कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया जाता है।

योग गुरू अग्रवाल ने कहा कि संगीत के महत्वों को समझते हुए 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। आपने कई बार सुना होगा कि अच्छा संगीत सुनने से सुकून का अहसास होता है और ऐसे कई डॉक्टर हैं जिनका मानना है कि संगीत सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इसको लेकर कई रिसर्च भी हुए हैं, जिसमें यह पाया गया है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जिससे स्वास्थ्य में सुधार होता है। यही वजह है कि कई देशों में अवसाद और निराशा से बाहर निकालने के लिए मरीजों को संगीत थेरेपी दी जाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह एक कारगर दवा साबित हुई है। मानसिक शांति के लिए संगीत बहुत ही महत्वपूर्ण है। भागदौड़ भरी जिंदगी में यह हमें सुकून पहुंचाता है और यह अकेलेपन का साथी भी है। जब भी आप खुद को अकेले महसूस करें, तो संगीत सुनकर उस अकेलेपन को दूर कर सकते हैं। कुल मिलाकर यह खुश रहने का एक बेहतरीन फॉर्मूला है।

संगीत एक कला है जो हृदय के भावों को व्यक्त करती है और जीवन को सुंदर बनाती है। यह एक ऐसी भाषा है जो बिना शब्दों के भी भावनाओं को व्यक्त कर सकती है। श्रवण की कला का अर्थ है निर्विचार होकर सुनना। यह एक ऐसी कला है जो हमें संगीत के माध्यम से जीवन के गहरे अर्थों को समझने में मदद करती है। संगीत जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो हमें जीवन के परम-केंद्र पर ले जा सकता है। यह एक ऐसी शक्ति है जो हमें आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से जोड़ती है। संगीत मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करता है। संगीत भावनात्मक अभिव्यक्ति का एक शक्तिशाली माध्यम है। संगीत आध्यात्मिक अनुभवों को बढ़ावा देता है।

योग गुरु अग्रवाल नें इस अवसर पर नाद योग के बारें में बताया कि नादयोग ध्वनि विज्ञान है। नादयोग का आधारभूत सिद्धान्त यह है कि हमारा विश्व एक नाद पर आधारित है। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड ध्वनि-सिद्धान्तों की एक प्रणाली है।

जिनका दृष्टिकोण भौतिकवादी नहीं है, उनका विश्वास है कि शरीर अन्तिम नहीं है। यह मात्र एक स्थूल स्तर है। स्थूल शरीर से सूक्ष्म शरीर भी है, प्राणिक शरीर। आप जानते हैं कि प्राण जीवन-सिद्धान्त है। इसके पाँच विभाग हैं-प्राण, अपान, व्यान, समान और उदान। ये प्राण के कार्यसम्बन्धी विभाग हैं। इसके अतिरिक्त और भी सूक्ष्म पाँच उपविभाग हैं जो छींकने, पलक झपकने आदि क्रियाओं के लिए उत्तरदायी हैं। ये भी उसी प्राणिक ऊर्जा की क्रियाएँ हैं। हमारे भौतिक शरीर से परे मानसिक शरीर भी है, जिसके कारण हममें सोचने-समझने की शक्ति रहती है। यह हमारी चेतना का मानसिक स्तर है। इससे अपेक्षाकृत अधिक सूक्ष्म कारण शरीर का बौद्धिक स्तर होता है। इसका अनुभव अधिकतर स्वप्न या दिव्य-दर्शन में होता है। सूक्ष्मतम पाँचवाँ स्तर पूर्ण चेतना का होता है। योग शास्त्रों में इनका वर्णन अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनन्दमय कोशों के नाम से किया गया है। इसलिए योग पर विश्वास करने वालों का कथन है कि भौतिक शरीर ही सब कुछ नहीं है, वह मात्र प्रारम्भिक बिन्दु है।

चेतना के विभिन्न स्तरों पर अनन्त ध्वनि तरंगें हैं। उनके मिश्रण तथा क्रम इसी प्रकार बाह्य ध्वनियाँ भी केवल ध्वनियाँ नहीं हैं। हमारे शरीर में भी परिवर्तन से यह शरीर निर्मित होता है। नाद योगियों का कहना है कि प्रारम्भ में केवल एक ही पवित्र ध्वनि, थी। उसके पश्चात् उसकी ध्वनि तरंगों द्वारा ब्रह्माण्ड की रचना हई। जिन्होंने बाइबिल पढ़ी है. उन्होंने इस वाक्य

पर ध्यान दिया होगा किप्रारम्भ में शब्द था। इस प्रकार सर्वप्रथम ध्वनि के अलावा और कुछ नहीं था। ? की सर्वशक्तिमान् ध्वनि सब ओर और हर जगह तरंगित हुई। की इस तरंग से प्रथम ध्वनि-तत्त्व की उत्पत्ति हुई और इस तत्त्व से पदार्थ का निर्माण हुआ। इस तरह नादयोग के अनुसार समस्त शरीर और सम्पूर्ण सृष्टि ध्वनि तरंगों का ठोस रूप है, अन्य कुछ नहीं। पारिभाषिक तौर पर यह नादब्रह्म कहलाता है।

यदि आप संगीत-विज्ञान का अध्ययन करेंगे तो आपको ज्ञात होगा कि प्रत्येक ध्वनि का आकार होता है, वह मात्र तरंग नहीं है। संगीत के स्वरों को ठोस रूप दिया जा सकता है। प्रत्येक ध्वनि को वैसी ही आकृति दी जा सकती है जैसे आप एक पत्थर, कुर्सी या पत्ते आदि को देखते हैं। ध्वनि को ऊर्जा के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है। इस ऊर्जा को पुनः ध्वनि का रूप दिया जा सकता है। ध्वनि को किसी वस्तु में परिवर्तित किया जा सकता है तथा वस्तु को परमाणुओं में विखण्डित किया जा सकता है। जो व्यक्ति आइन्सटीन के सिद्धान्त से परिचित हैं वे इसे समझ सकते हैं।

इस प्रकार हम जानते हैं कि विश्व में जितने भी पदार्थ हैं, उनका अन्तिम सार और मूल एक ही है, केवल आकार में भिन्नताएँ हैं। सभी वस्तुओं में रूप भिन्त्रता है, परन्तु सबमें एक ही तत्त्व अन्तर्निहित है। नाद-योगी बताते हैं कि आपके समस्त घटक, जिन्होंने स्थूल आकार ग्रहण किया है, ध्वनि-सिद्धान्त की तरंगों पर ही आधारित हैं। यह उनका दर्शन-शास्त्र तथा अध्यात्म विद्या है।

हमने केवल तीन ध्वनियों का वर्णन किया है, परन्तु अन्य ध्वनियाँ - घण्टा ध्वनि, शंख ध्वनि, मुरली की ध्वनि आदि हैं। शास्त्र में दस प्रकार की ध्वनियों का वर्णन मिलता है। इसमें प्रारम्भिक आवाज झींगुर की है। ये सामान्य ध्वनियाँ हैं जो अभ्यासी द्वारा सुनी जाती हैं।

प्रत्येक व्यक्ति का ध्वनियों का भिन्न अनुभव होता है। कौन-सी आवाज सुनाई देती है, इसका विशेष महत्त्व नहीं है, परन्तु उच्च साधना के अभ्यास के समय यह व्यक्ति की प्रगति का संकेत करती है।

योग गुरु अग्रवाल नें का प्रभाव के बारें में बताया किएक अस्पताल में चिकित्सकों एवं वैज्ञानिकों ने शोध किया कि ऑपरेशन के लिए जाते हुए मरीजों के भीतर भय तथा निराशा का जो वातावरण बना रहता है, उसे के उच्चारण से दूर किया जा सकता है या नहीं, और इसके साथ-ही-साथ मरीज को मानसिक भावनात्मक और स्नायविक विश्राम की अवस्था में लाया जा सकता है या नहीं। उनकी रक्त-संचार-प्रणाली, पाचन प्रणाली, श्वसन प्रणाली और मस्तिष्क को यंत्रों के माध्यम से देखा गया तथा उनकी मूल अवस्था को अंकित किया गया। तत्पश्चात् पाँच-दस मिनट ॐ उच्चारण के पश्चात् मस्तिष्क की विद्युत तरंगों में एक जरदस्त परिवर्तन आता है।शोध के पश्चात् उन्होंने के उच्चारण को शल्यक्रिय की पूर्व तैयारी के रूप में स्वीकार किया है। जब कोई व्यक्ति शल्यक्रिया के लिए उस अस्पताल में जाता है तो उसे शल्यक्रिया कक्ष में भेजने से पहले, दस मिनट तक का उच्चारण कराया जाता है। इस प्रयोग में वैज्ञानिकों का मत रहा कि जो ध्वनि हम का उच्चारण में निकालते हैं, उससे अपने आपको जोड़ देने से उस तरंग का असर मस्तिष्क पर और मस्तिष्क के भीतर की विद्युत प्रक्रियाओं पर पड़ता है। योग में भी कहा जाता है कि मंत्र वास्तव में ध्वनि तरंगें हैं। हम लोग इनका सम्बन्ध देवी-देवताओं से जोड़ देते हैं, लेकिन इन मंत्रों का मूल रूप तो ध्वनि तरंग ही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

प्रेम प्रसंग के चलते बर्बर हत्याः पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

सांध्य प्रकाश बैतूल। जिले के थाना शाहपुर क्षेत्र में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। जहां प्रेम संबंध के चलते एक युवक की सामूहिक हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस जघन्य अपराध में शामिल सभी 11 आरोपियों को महज 24 घंटे में गिरफ्तार कर न्याय के कटघरे में खड़ा कर दिया। पुलिस अधीक्षक निश्चल एन. झारिया,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी और एसडीओपी मयंक तिवारी के मार्गदर्शन में शाहपुर पुलिस ने इस मामले में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की।

पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा मामले में एक आरोपी रिमांड पर

शहडोल। पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा कर परीक्षा उत्तीर्ण करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने पूर्व में आरोपी मनीष गुर्जर निवासी डबरा जिला ग्वालियर के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विवेचना में जुटी थी। विवेचना मे यह सामने आया कि इस फर्जीवाड़े को अंजाम देने में एक स्थानीय आधार सेंटर संचालक की भी भूमिका है। साक्ष्यों के आधार पर आधार सेंटर संचालक सौरभ राजपूत 24 साल निवासी बघेड़ापुर जिला ग्वालियर को पुलिस ने हिरासत में लेकर न्यायालय से रिमांड प्राप्त किया है। आरोपी से पुलिस रिमांड पर विस्तृत पूछताछ की जा रही है, जिससे प्रकरण से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका तथा पूरे फर्जीवाड़े के नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

27 जून को होगा राष्ट्र सेवक मौर्य का अभिनंदनः कैबिनेट मंत्री

रतलाम। भाजपा के वरिष्ठ नेता कन्हैयालाल मौर्य (मामाजी) अभिनन्दन समारोह समिति की बैठक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप की उपस्थिति में हुई। इसमें मामाजी द्वारा उनके जीवन में राष्ट्र सेवा के अनुभव पर आधारित पुस्तक का प्रकाशन के साथ उनका अभिनन्दन समारोह 27 जून को करने का निर्णय लिया गया। बैठक में समिति सदस्य भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, महापौर प्रहलाद पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष बजरंग पुरोहित, पूर्व महापौर शैलेन्द्र डागा, विधानसभा संयोजक मनोहर पोरवाल एवं निर्मल लुनिया उपस्थित रहे। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि अभिनन्दन समारोह में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी समारोह में उपस्थित रहने की स्वीकृति दी है। उक्त आयोजन बरबड़ रोड़ स्थित श्रीजी पैलेस में आयोजित होगा। उल्लेखनीय है कि कन्हैयालाल मौर्य (मामाजी) का जन्म 12 जून 1936 को हुआ है। 10 वर्ष की आयु में वह बाल स्वयंसेवक बने।

सीएमसीएलडीपी परीक्षा का राज्यमंत्री ने किया निरीक्षण,किया पौधरोपण

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। मध्य प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास पाठयक्रम अंतर्गत चल रही बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू परीक्षा का मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर राजयमंत्री दर्जा ने निरीक्षण किया । इस दौरान एक पेड़ मॉ के नाम अभियान अंतर्गत वीर सावरकर महाविद्यालय में पौधरोपण भी किया गया। इस दौरान भाजपा मण्डल अध्यक्ष डॉ भूपेन्द्र नागर, जिला समन्वयक कल्याण सिंह राजपूत, ब्लाक समन्वयक निशा बहेकार मण्डल उपाध्यक्ष माखन सिंह परमार,गजेन्द्र नागर, सज्जन सिंह नागर जनपद सदस्य,कोमल चौहान ,लोकेश परमार,दीपक परमार , माधव यादव,,राहुल नागर,नवांकुर संस्था से सुनील सेरिया,वीर सिंह चौहान,बारेलाल नायक, भूपेन्द्र नागर कारीतलाई,मेंटर,प्रेमनारायण सोनी, अजय मालवीय मौजूद थे।

शिलापट्टी पर नहीं था नेताजी का नाम, आया गुस्सा तो फावड़े से कर दिया चकनाचूर

बीना। मध्य प्रदेश के बीना शहर में शिलान्यास समारोह के दौरान हंगामा हुआ। नगर पालिका उपाध्यक्ष रमाकांत बिलगैया ने मंच पर शिलापट्टिका तोड़ डाली। उनका नाम उस पत्थर पर नहीं था। यह कार्यक्रम वीर सावरकर वार्ड में बनने वाली सड़क का भूमि पूजन था।

शिलापट्टिका का अनावरण होते ही उपाध्यक्ष ने गुस्से में कुदाल से पत्थर तोड़ दिया। उनका आरोप है कि नगर पालिका के सीएमओ रामप्रकाश जगनेरिया उन्हें नजरअंदाज करते हैं। विधायक निर्मला सप्रे और नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार ने उपाध्यक्ष का पक्ष लिया। घटना के बाद शिलान्यास कार्यक्रम पुनः कराया गया। कुछ समय बाद उपाध्यक्ष ने पूजा स्थल पर बैठकर विधिवत पूजा की।शिलान्यास बना विवाद का केंद्र

बीना नगर के वीर सावरकर वार्ड में एक असामान्य घटना घटी। 15.60 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सड़क के भूमि पूजन कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष रमाकांत बिलगैया ने शिलान्यास पत्थर तोड़ दिया। उन्होंने फावड़ा उठाकर पत्थर तोड़ा और किसी औपचारिकता की चिंता नहीं की। यह घटना श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के पास हुई। कार्यक्रम में स्थानीय जनता और प्रशासन के लोग मौजूद थे।

नाम न होना बना अपमान का प्रतीक

बिलगैया का गुस्सा तब फूटा जब उन्हें पता चला कि शिलान्यास पत्थर पर उनका नाम नहीं था। उनका मानना था कि निर्वाचित उपाध्यक्ष होने के बावजूद उन्हें नजरअंदाज करना उनके पद की गरिमा के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई आयोजनों में उन्हें जानबूझकर नहीं बुलाया गया या उनका नाम हटा दिया गया।

सीएमओ पर पक्षपात का आरोप

रमाकांत बिलगैया ने कहा कि नगर पालिका के मुख्य नगर अधिकारी (सीएमओ) रामप्रकाश जगनेरिया लगातार उनकी अनदेखी करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह जानबूझकर किया गया ताकि राजनीतिक रूप से उन्हें कमजोर दिखाया जा सके। यह प्रशासनिक टकराव केवल नाम के न होने का नहीं, बल्कि राजनीतिक मतभेद और व्यक्तिगत शिकायतों का भी मामला था।

राजनैतिक समर्थन में आई विधायक और अध्यक्ष

घटना के बाद विधायक निर्मला सप्रे और नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार ने उपाध्यक्ष का समर्थन करते हुए कहा कि शिलान्यास पत्थर पर नाम न होना गलत है और यह गंभीर लापरवाही है। उन्होंने सीएमओ से जवाब तलब किया और दोबारा शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित कराने की बात कही। इससे यह स्पष्ट हो गया कि नगर की राजनीति में इस घटना का असर लम्बे समय तक बना रहेगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सेवा दिवस के रूप में मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर युवा कांग्रेस रायसेन के जिला अध्यक्ष परेश नागर के नेतृत्व में ओबेदुल्लागंज के शासकीय अस्पताल में मरीजों को फल वितरण का कार्यक्रम किया गया इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जातिगत जनगणना की मांग को मजबूती देने और सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया इस मौके पर हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष एवं पार्षद राजेश खटीक , संजय चौहान, सरपंच राजू मेहरा , दुर्गेश यादव , उत्तम यादव , जसवंत नागर , पंकज नागरानी , संजीव नागर , यासीन खान, मनीष नागर, नानक राम आदि लोग उपस्थित रहे।

खेत-तालाब योजना तहत बन रहे तालाब और खकरी कार्य का लिया जायजा

छतरपुर। संभागायुक्त सागर संभाग डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत गुरुवार को दमोह जिले के ग्राम आनू पहुंचे। उन्होंने यहां पर खेत तालाब निर्माण कार्य का अवलोकन किया और हितग्राही बालकिशन पटेल से चर्चा की। उन्होंने किसान से खेत तालाब के संबंध में जानकारी ली और इसके फायदे के बारे में जाना। इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर विशेष रूप से मौजूद रहे।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना के मृतकों को लायंस क्लब ने दी श्रद्धांजलि

सांध्य प्रकाश-इटारसी। विगत दिनों अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान अपने टेक ऑफ के समय दुर्घटना ग्रस्त हो गया था द्य इसमें सवार सभी 241 यात्री और पूरा विमान स्टाफ काल के गाल में समा गया यह देश के लिए एक बड़ी दुर्घटना और त्रासदी है इसी सन्दर्भ में लायंस क्लब पंख के सदस्यों द्वारा जीनियस प्लानेट सीनियर सेकंडरी स्कूल के सभागार में समस्त शिक्षक और शिक्षिकाओं के साथ दुर्घटना में मृत्यु क़ो प्राप्त हुए सभी यात्रियों और विमान कर्मियों क़ो श्रद्धांजलि दी द्य स्टाप ने उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की ,साथ ही ईश्वर से प्रार्थना की वह सभी मृतको क़ो श्री चरणों में स्थान दें और मृतको कर परिवार क़ो इस गहन दुःख क़ो सहने की शक्ति प्रदान करें इस श्रद्धांजलि सभा में लायन्स क्लब पंख की अध्यक्ष जया गाँधी, चेयर पर्सन ऋतू राजपूत, कोकोऑर्डिनेटर बलजीत कौर, सोखी और पंख के अन्य सदस्य बीना तिवारी, संध्या माहेश्वरी, भारती चौकसे, पूनम तिवारी, वनिता अग्रवाल और जीनियस प्लेनेट की संचालक मनीता सिद्दीकी और संचालक मो जाफर सिद्दीकी के साथ स्कूल के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे स्टाप द्वारा मृतको क़ो पुष्प अर्पित किये और दो मिनट का मौन रखकर अपनी श्रद्धांजलि दी ।

जंगल में मिला वृद्ध महिला का शव

शहडोल। जिले मे जयसिंहनगर थानान्तर्गत जंगल में महिला का शव मिला है। सूचना पर पुलिस मौके में पहुंच शव को अपने कब्जे में लेते हुए जांच में जुट गई है। वृद्ध महिला कौन है कहाँ की रहने वाली है,उसकी मौत किन कारणों से हुई इन तमाम सवालों की पुष्टि नहीं हो पाई है। हालांकि शव लगभग पांच दिन पुराना बताया जा रहा है। पुलिस जानकारी के अनुसार बुधवार को मवेशी चरा रहे ग्रामीण को वनचाचर आरएफ 380 में महिला का शव दिखा। ग्रामीण ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस के अनुसार लगभग 60 वर्ष से ऊपर की महिला का शव मिला है, जिसकी शिनात अभी नहीं पाई है। लाश पुरानी होने की वजह से सही पहचान नहीं हो पा रही है।

वंदे भारत के एग्जीक्यूटिव कोच में यात्री से मारपीट

भाजपा विधायक राजीव सिंह के समर्थकों पर लगा आरोप

भोपाल। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में झांसी रेलवे स्टेशन पर एक यात्री के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। ट्रेन दिल्ली से भोपाल आ रही थी। इस हमले का आरोप भाजपा विधायक राजीव सिंह के समर्थकों पर लगाया जा रहा है। यह घटना Vande Bharat E&press के एक्जीक्यूटिव कोच में हुई। इस घटना ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि इसने ट्रेन यात्रियों को भी भयभीत कर दिया है।

बताया जा रहा है कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में सवार भाजपा विधायक राजीव सिंह और उनके परिवार ने दिल्ली से यात्रा शुरू की थी। राजीव सिंह का सीट नंबर 8 था। उनकी पत्नी कमली सिंह का सीट नंबर 50 और उनके बेटे श्रेयांश सिंह का सीट नंबर 51 था। ट्रेन के कोच में सवार यात्री राज प्रकाश ने सीट नंबर 49 पर बैठने के दौरान विधायक से सीट बदलने का दबाव महसूस किया। विधायक ने उन्हें अपनी सीट पर बैठने के लिए कहा, लेकिन राज प्रकाश ने मना कर दिया।

इसके बाद, जैसे ही ट्रेन झांसी रेलवे स्टेशन पर पहुंची, ट्रेन के कोच में 7-8 लोग दाखिल हुए। सीट पर बैठने के लिए मना करने पर राज प्रकाश के साथ लात-घूंसे से हमला किया। हमला इतना गंभीर था कि राज प्रकाश की नाक में फ्रैक्चर हो गया और वह खून से लथपथ हो गए।

डरा हुआ है यात्रीः घटना के बाद ट्रेन रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर पहुंची। तो मीडियाकर्मियों ने पीड़ित यात्री राज प्रकाश से संपर्क करने की कोशिश की। लेकिन वह इतने डरे हुए थे कि उन्होंने बातचीत करने से मना कर दिया। उन्होंने केवल इतना कहा कि वह पुलिस में शिकायत दर्ज करा रहे हैं।

पूर्व मंत्री की सुरक्षा पर चिंताः बताया जा रहा है कि, पूर्व मंत्री रामनिवास रावत भी उसी कोच में सवार थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस घटना के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हुए एक पोस्ट की। पूर्व मंत्री रावत नें लिखा, वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेन में इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस घटना को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की है।

वंदे भारत (20172 दिल्ली से भोपाल) में एक्ज़क्यूटिव क्लास में सीट नंबर 50 पर बैठे 1 व्यक्ति के साथ 7/8 बाहर से आए लोगों ने पूरे कोच के यात्रियों के सामने मारपीट की घायल व्यक्ति के नाक,मुंह,कान से खून बहने लगा इन लोगों का साथ पुलिस के कुछ लोग भी दे रहे थे। वंदे भारत जैसी ट्रेन

मारपीट की घटना ने ट्रेन में सवार अन्य यात्रियों को भी घबराहट में डाल दिया। कीर्ति नाम की एक यात्री ने बताया कि झांसी स्टेशन से चढ़े हुए लोग 49 नंबर सीट पर बैठे राज प्रकाश के ऊपर लात-घूंसे और चप्पल चला रहे थे। इस घटना से न केवल पीड़ित यात्री बल्कि अन्य यात्री भी डर गए थे। उन्होंने कहा कि Vande Bharat जैसी ट्रेन में ऐसी घटनाएं बिल्कुल अस्वीकार्य हैं।

पुलिस मौजूदगी में हुई मारपीटः खास बात यह है कि इस मारपीट के दौरान पुलिस के तीन-चार जवान भी मौके पर मौजूद थे। एक यात्री ने बताया कि पुलिस की मौजूदगी में ही यह घटना हुई और पुलिस ने इसे अनदेखा कर दिया। बाद में रेलवे पुलिस आई, लेकिन तब तक यह घटना हो चुकी थी।

विपक्ष का आरोपः कांग्रेस पार्टी ने इस मामले को लेकर भाजपा विधायक राजीव सिंह के समर्थकों पर हमला बोला है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने इस घटना का वीडियो शेयर किया है। साथ ही भाजपा विधायक के समर्थकों पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपने समर्थकों के साथ मिलकर Vande Bharat E&press में एक यात्री के साथ मारपीट की। उन्होंने इसे सुशासन की असलियत बताते हुए उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए।

वार्ड एक दो तीन की आयोजित मोहल्ला चौपाल में विधायक ने कराया समस्याओं का समाधान

सिरोंज। मंडी बायपास मार्ग पर स्थित अंबेडकर भवन में देर शाम को विधायक उमाकांत शर्मा के आव्हान पर आयोजित की गई मोहल्ला चौपाल में सैकड़ों परिवार सहभागिता करने पहुंचे थे इस आयोजन के लिए विधायक शर्मा ने स्वयं सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों को अवगत कराया था। तथा स्थानीय नगरपालिका के कर्मचारीयों ने संबंधित वार्डो में घर घर दस्तक देकर लाभान्वित हितग्राहियों एवं नागरिकों के इस आयोजन के लिए आमंत्रण दिया था।

शाम ठीक साढ़े सात बजे शुरू हुई चौपाल के माध्यम से विधायक शर्मा ने सबसे पहले तीनों वार्डो की स्वच्छता,निर्माण कार्य एवं जनहितैषी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की जानकारी नपा के संबंधित वार्ड पार्षद,अधिकारियों,वार्ड प्रभारी एवं दरोगाओं से सबके सामने एकत्रित की। इसके बाद उन्होंने चौपाल में शामिल हुई आम जनता से हकीकत को जाना तथा इन क्षेत्रों में आने वाले समय में मध्यप्रदेश शासन के माध्यम से होने वाले विकास कार्यों की जानकारी दी। इसके पूर्व चौपाल की शुरुआत में विधायक शर्मा खुद मंच से उतरकर सामने बैठी जनता के पास शिकायती आवेदनों को लेने के लिए पहुंचे और उनको वार्डवार कर क्रमशः प्रत्येक नागरिकों की समस्याओं को जाना समझा एवं उचित निराकरण के आदेश अधिकारियों को प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने संबल एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता के अंतर्गत स्वीकृति पत्रकों एवं सत्तर वर्ष से अधिक नागरिकों के लिए मोदी सरकार की योजना एवं घोषणा के मुताबिक बनाए जा रहे आयुष्मान कार्ड को भी वितरण किया।कार्यक्रम के दौरान विधायक शर्मा ने कहा कि देश को समृद्धशाली बनाने के साथ गरीबों के जीवन स्तर को उठाने के लिए आम जनता के हितैषी प्रधानमंत्री जी की जनकल्याणकारी सरकार के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। इन ग्यारह सालों में देश की मोदी सरकार एवं प्रदेश सरकार ने गरीब,अनुसूचित जाति,जनजाति,पिछड़े एवं सामान्य सभी वर्गो के लिए योजनाएं लागू कर जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का काम किया है। मोदी ने प्रधानमंत्री आवास,उज्जवला गैस, निःशुल्क राशन वितरण, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान योजना सहित अनेकों योजनाओं के माध्यम से गरीबों की सहायता की है। सरकार की इन योजनाओं का लाभ आम जनता को पूरा लाभ मिल रहा है या नहीं एवं उनको अपने दैनिक जीवन में आ रही प्रशासनिक रुकावटों को दूर करने के लिए ही भाजपा संगठनबक मंशानुरूप हमने यह मोहल्ला चौपाल आयोजित की है। जिसमें हमने सबके सामने खुलकर बातचीत की है। हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आम जनता के हित में अच्छे से अच्छा काम करने के लिए सदैव प्रयासरत है। आवागमन में तो सुविधा होगी तथा मंडी बायपा मार्ग पर लगने वाले जाम से भी काफी हद तक मुक्ति मिलेगी।

डॉ. चौहान फिजियो थैरेपिस्ट को क्लिनिकल एक्सीलेंस अवॉर्ड से हुए सम्मानित

गंज बासौदा दैनिक सांध्य प्रकाश । चिरायु यूनिवर्सिटी भोपाल द्वारा, 15 जून को चिरायु फिजियो सीमेंट 2025 नेशनल फिजियोथैरेपी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, इसमें देश के कोने-कोने से आए फिजियोथैरेपिस्ट ने भी भाग लिया, इस कांफ्रेंस में गंज बासौदा से डॉक्टर सुनील चौहान (फिजियो थैरेपिस्ट) को 'क्लिनिकल एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार फिजियोथैरेपी और रिहैबिलिटेशन की फील्ड में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है, उल्लेखनीय है कि डॉ सुनील चौहान फिजियोथैरेपिस्ट, गंजबासौदा में सन 2012 से लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जहां अब तक हजारों लोगों को फिजियोथैरेपी और आर्थोपेडिक - न्यूरोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन का फायदा दे चुके हैं, साथ ही समय के अनुसार अपनी सेवाओं में विस्तार भी करते जा रहे हैं, इन्होंने पिछले साल से 'आपका फिजियो आपके गांव की चौपाल' नाम से एक खास मुहिम चला रखी है जिसमें ये समय निकालकर गंज बासौदा के आसपास गांव गांव जाकर निशुल्क रूप से अपनी सेवाएं देते हैं अब तक तक 12 से 13 गांव इस फिजियो चौपाल से लाभान्वित हो चुके हैं, समय के अनुसार यह फिजियो चौपाल हमेशा चालू रहेगी।

मेगा फिजियोथैरेपी एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर, गंजबासौदा का एकमात्र फिजियोथैरेपी क्लिनिक है, जहां फिजियोथैरेपी की सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ, मैन्युअल थेरेपी और मैनिपुलेशन थेरेपी , कपिंग थेरेपी, आर्थोपेडिक - न्यूरोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन, द्वारा गंज बासौदा एवं आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से अब तक हजारों लोगों को लाभ दिया जा चुका है। यूनिवर्सिटी भोपाल द्वारा, 15 जून को चिरायु फिजियो सीमेंट 2025 नेशनल फिजियोथैरेपी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, इसमें देश के कोने-कोने से आए फिजियोथैरेपिस्ट ने भी भाग लिया, इस कांफ्रेंस में गंज बासौदा से डॉक्टर सुनील चौहान (फिजियो थैरेपिस्ट) को 'क्लिनिकल एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार फिजियोथैरेपी और रिहैबिलिटेशन की फील्ड में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है, उल्लेखनीय है कि डॉ सुनील चौहान फिजियोथैरेपिस्ट, गंजबासौदा में सन

2012 से लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जहां अब तक हजारों लोगों को फिजियोथैरेपी और आर्थोपेडिक - न्यूरोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन का फायदा दे चुके हैं, साथ ही समय के अनुसार अपनी सेवाओं में विस्तार भी करते जा रहे हैं, इन्होंने पिछले साल से आपका फिजियो आपके गांव की चौपाल' नाम से एक खास मुहिम चला रखी है जिसमें ये समय निकालकर गंज बासौदा के आसपास गांव गांव जाकर निशुल्क रूप से अपनी सेवाएं देते हैं अब तक तक 12 से 13 गांव इस फिजियो चौपाल से लाभान्वित हो चुके हैं, समय के अनुसार यह फिजियो चौपाल हमेशा चालू रहेगी।

मेगा फिजियोथैरेपी एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर, गंजबासौदा का एकमात्र फिजियोथैरेपी क्लिनिक है, जहां फिजियोथैरेपी की सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ, मैन्युअल थेरेपी और मैनिपुलेशन थेरेपी , कपिंग थेरेपी, आर्थोपेडिक - न्यूरोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन, द्वारा गंज बासौदा एवं आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से अब तक हजारों लोगों को लाभ दिया जा चुका है।

सरकार पीड़ितों के साथ है, हम विधायक और प्रशासन के माध्यम से हर संभव मदद दिलवाएंगेः जिपं उपाध्यक्ष

बैतूल। जिले के घोड़ाडोंगरी विकासखंड अंतर्गत आने वाले धाराखोह वनग्राम में विगत दिनों आए तेज तूफानी चक्रवात ने गांव में भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 25 मकान क्षतिग्रस्त हो गए, कई पेड़ उखड़कर गिर गए,
वहीं पशुधन को भी गंभीर क्षति पहुंची है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे ने शासकीय कर्मचारियों और अपनी टीम के साथ ग्रामीणों के घर-घर जाकर स्थिति का निरीक्षण किया। बाद में गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उन्हें शासन से हरसंभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। श्री धुर्वे ने बताया कि वे विधायक और जिला प्रशासन के माध्यम से आर्थिक सहायता एवं मुआवजा दिलाने के लिए प्रयासरत हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि तेज आंधी-तूफान से हुए नुकसान का शीघ्र सर्वे किया जाए और प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान की जाए।

शासकीय प्राथमिक शाला में अतिरिक्त कक्षा कक्ष का किया लोकार्पण

इसके अलावा जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे ने कल्याणपुर पंचायत के ग्राम धौल में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में शासकीय प्राथमिक शाला में खनिज निधि से 6 लाख रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त कक्षा कक्ष का लोकार्पण भी किया गया। इस लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री मंगलसिंह धुर्वे रहे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता गैलेनद राठौर, जनपद सदस्य श्री माधव नानकर, बबलू झरबड़े, मरामझिरी की सरपंच श्रीमती सनोति धुर्वे, धाराखोह की सरपंच श्रीमती रामप्यारी होरीलाल यादव, उपसरपंच श्री आसाराम वरकड़े, वन ग्राम के वनरक्षक, पूर्व उपसरपंच यशवंत पवार, पूर्व सरपंच घनश्याम यादव एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आपातकाल@50 संगोष्ठी में एलएनसीटी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जाना लोकतंत्र पर सबसे बड़े प्रहार का इतिहास

आपातकाल एक काला धब्बा हैः आशीष चौहान

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के इंडिजीनियस आयाम द्वारा LNCT महाविद्यालय, भोपाल में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक संगोष्ठी Emergency का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत के संवैधानिक इतिहास की उस घटनाओं की गूंज सुनाई दी, जिसने देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को चुनौती दी थी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक अशोक पांडेय, अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, इंडिजीनियस के राष्ट्रीय संयोजक आदित्य शर्मा, तथा LNCT ग्रुप के सचिव अनुपम चौकसे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपातकाल के समय की वास्तविक घटनाओं, संविधान में हुए संशोधनों तथा उस कालखंड में हुए जन आंदोलनों की सच्चाई से अवगत कराना रहा। विद्यार्थियों ने गहराई से समझा कि किस प्रकार 25 जून 1975 को घोषित आपातकाल ने भारत के संविधान, प्रेस की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों को प्रभावित किया। अशोक पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आपातकाल भारतीय संविधान के मूलभूत सिद्धांतों पर सीधा प्रहार था। उन्होंने बताया कि कैसे 1971 में इंदिरा गांधी के खिलाफ याचिका दायर की गई, और इसके पश्चात नव निर्माण समिति का गठन हुआ। उन्होंने 1975-77 के दौरान देश में हुए दमन, गिरफ्तारी, गोलीकांड, तथा संविधान संशोधनों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 352, 356, 360 जैसे अनुच्छेदों का दुरुपयोग करते हुए आपातकाल थोपा गया और अनुच्छेद 14, 19, 22 को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने यह भी साझा किया कि कैसे आंदोलनकारियों को जेल में यातनाएं दी गईं और लोकतंत्र की पुकार को दबाने का प्रयास हुआ। उनके अनुसार, आपातकाल का विरोध जन आंदोलन के माध्यम से ही संभव हुआ और अंततः लोकतंत्र की पुनः स्थापना हुई। आशीष चौहान ने कहा कि ÷आपातकाल एक काला धब्बा था अर्थात एक ऐसा प्रयोग, जिसने संविधान की आत्मा को झकझोर दिया। उन्होंने MISA (Maintenance of Internal Security Act) जैसे काले कानूनों का उल्लेख किया और बताया कि किस प्रकार प्रेस, अभिव्यक्ति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया। उन्होंने भारतीय परंपरा और लोकतांत्रिक प्रणाली की ऐतिहासिक जड़ों पर चर्चा करते हुए उत्तरमेरूर (तमिलनाडु) के शिलालेखों का उल्लेख किया, जिसमें चुनाव और जनप्रतिनिधियों के चयन की प्राचीन व्यवस्था अंकित है।उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को इतिहास से सीख लेकर सशक्त लोकतंत्र के लिए सजग नागरिक की भूमिका निभानी चाहिए। आदित्य शर्मा ने कहा कि आज जो लोग बार-बार संविधान की दुहाई देते हैं, उन्हें यह भी आत्ममंथन करना चाहिए कि उन्होंने स्वयं संविधान के साथ क्या किया है। जिनकी राजनीतिक परंपरा में लोकतंत्र का कोई स्थान नहीं रहा, वे ही आज संविधान की रक्षा की बातें कर रहे हैं ङ्क वास्तव में उन्हें तो संविधान को छूने तक का नैतिक अधिकार नहीं है।

जब सत्ता में बैठे लोग We the People की जगह Who the People पूछने लगते हैं, तब हर युग के चाणक्य की यह जिम्मेदारी बन जाती है कि वह उस राजा को सत्ता से हटाकर किसी सामान्य जन, किसी चंद्रगुप्त को मार्ग दे ङ्क यही लोकतंत्र की असली आत्मा है।कार्यक्रम में महाविद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही, जिन्होंने गहरी रुचि के साथ वक्ताओं के विचारों को सुना और समझा। यह संगोष्ठी न केवल एक ऐतिहासिक पुनरावलोकन थी, बल्कि आज के विद्यार्थियों के लिए एक चेतना का संदेश भी ङ्क कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों के सतत प्रयास से ही संभव है।

उत्तराखंड के तर्ज पर एमपी में शुरू होगी ये सुविधा मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

मध्यप्रदेश में प्रमुख पर्यटन स्थलों पर जल्द ही हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होने जा रही है, जिससे यात्रा आसान और तेज़ होगी। साथ ही, होम स्टे योजना, मेडिकल व वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देकर राज्य को पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तराखंड की तरह अब मध्यप्रदेश में भी प्रमुख पर्यटन स्थलों पर हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'ग्रामीण रंग-पर्यटन संग' राज्य स्तरीय उत्सव के दौरान इस बात की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस सेवा के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही पर्यटकों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। यह सुविधा विशेष रूप से उन पर्यटकों के लिए सहायक होगी, जो समय की कमी के चलते यात्रा को सहज और त्वरित बनाना चाहते हैं। सीएम ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि प्रदेश में चल रही होम स्टे योजना को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। यह योजना न केवल ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि भारतीय संस्कृति के ÷अतिथि देवो भव÷ के भाव को भी साकार कर रही है। सरकार और होम स्टे संचालकों का संयुक्त प्रयास है कि हर पर्यटक यहां से सकारात्मक अनुभव लेकर जाए। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा तैयार की गई प्रचार फिल्मों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये फिल्में अत्यंत प्रभावशाली हैं और इनके नए तरीके से उपयोग की योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाएगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश को मेडिकल टूरिज्म का हब बनाने की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि विदेशी पर्यटक अब इलाज के लिए मध्यप्रदेश आ सकेंगे और यहाँ रहकर स्वास्थ्य लाभ के साथ धार्मिक और वन्य जीव पर्यटन का भी आनंद उठा सकेंगे। इसके लिए वेलनेस सुविधाओं को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। 'ग्रामीण रंग पर्यटन संग' उत्सव में मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और चाक पर शिवलिंग बनाकर सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता भी दिखाई। कार्यक्रम में पर्यटन राज्य मंत्री धर्मेन्द्र लोधी, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और टूरिज्म बोर्ड के एमडी शिव शेखर शुक्ला भी मौजूद रहे।

सोना 580 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2000 रुपए प्रति किलो सस्ती हुई

मुंबई, एजेंसी। अगर आप आज, यानी शुक्रवार 20 जून 2025 को सोना या चांदी खरीदने जा रहे हैं, तो पहले उनके ताजा बाजार भाव पर नजर डालना बेहद जरूरी है। आज के दिन सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। जहां सोने की कीमत में 580 रुपए प्रति 10 ग्राम की कमी आई है, वहीं चांदी की दरों में 2000 रुपए प्रति किलो की गिरावट देखी गई है। इसके बावजूद, सोना और चांदी दोनों ही अभी भी 1 लाख रुपए से ऊपर की कीमतों पर कारोबार कर रहे हैं।

बाजार से मिली जानकारी के अनुसार, आज 22 कैरेट सोने की कीमत 92,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। वहीं, 24 कैरेट शुद्ध सोने की दर 1,10,630 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बनी हुई है। अगर आप 18 कैरेट सोने की बात करें, तो उसका मूल्य 75,480 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास है। दूसरी ओर, एक किलो चांदी की कीमत आज 1,10,000 रुपए पर दर्ज की गई है।

18 कैरेट सोने के ताजा भाव आज 18 कैरेट सोने की कीमत में हल्की गिरावट देखने को मिली है, और यह विभिन्न शहरों में अलग-अलग रेट पर ट्रेड कर रहा है। दिल्ली में 10 ग्राम 18 कैरेट सोने की कीमत 75,480 रुपए पर है, जबकि कोलकाता और मुंबई में यह 75,360 रुपए प्रति 10 ग्राम है। मध्य भारत के शहर इंदौर और भोपाल में इसका भाव 75,400 रुपए के स्तर पर है। वहीं दक्षिण भारत के चेन्नई बाजार में यह थोड़ा अधिक यानी 75,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। अब बात करें 22 कैरेट सोने की, जो कि आमतौर पर आभूषणों में ज्यादा इस्तेमाल होता है। भोपाल और इंदौर में आज इसका भाव 92,150 रुपए प्रति 10 ग्राम चल रहा है। जबकि दिल्ली, जयपुर और लखनऊ जैसे उत्तर भारत के शहरों में यह 92,250 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और केरल के बाजारों में यह थोड़ा कम, यानी 92,100 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास है। 24 कैरेट सोना, जिसे सबसे शुद्ध माना जाता है, उसकी कीमतों में भी आज उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। भोपाल और इंदौर में यह 1,00,530 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है, जबकि दिल्ली, जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ जैसे बाजारों में यह 1,00,630 रुपए तक पहुंच गया है। दूसरी ओर मुंबई, हैदराबाद, केरल और बैंगलुरू जैसे शहरों में यह 1,00,480 रुपए पर स्थिर है। चेन्नई में भी यही दर देखने को मिली है।

अब अगर नज़र डालें चांदी की कीमतों पर, तो आज इसका बाजार भी कुछ खास चर्चा में है। जयपुर, कोलकाता, अहमदाबाद, लखनऊ, मुंबई और दिल्ली में एक किलोग्राम चांदी की कीमत 1,10,000 रुपए पर बनी हुई है। जबकि चेन्नई, मदुरै, हैदराबाद और केरल जैसे दक्षिण भारतीय बाजारों में चांदी की कीमत 1,20,000 रुपए प्रति किलो के उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है। वहीं भोपाल और इंदौर में यह 1,10,000 रुपए प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है।

सपाट शुरुआत के बाद बाजार ने लगाई लंबी छलांग; सेंसेक्स 700 से ज्यादा अंक उछला, निफ्टी में भी तेजी

मुंबई, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सकारात्मक रुख के साथ कारोबार करता दिखा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 289.43 अंक चढ़कर 81,651.30 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 88.25 अंक चढ़कर 24,881.50 पर पहुंचा। घरेलू शेयर बाजार की शुक्रवार को सपाट शुरुआत हुई। हालांकि, बाद में बाजार ने लंबी छलांग लगाई। 12 बजे के करीब सेंसेक्स 750 अंकों से ज्यादा की छलांग लेकर कारोबार कर रहा था। ऐसे ही निफ्टी 250 अंक उछलकर 25 हजार के पार पहुंच गया। इससे पहले बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स मामूली गिरावट के साथ 81,354.85 अंक पर खुला था। गिरावट के दौरान सेंसेक्स 81,323.20 अंकों तक पहुंचा था। बीते दिन यह 81,361.87 अंक पर बंद हुआ था। ऐसे ही निफ्टी भी गिरावट के साथ 24,787.65 अंक पर खुला था। गिरावट के दौरान यह 24,783.65 अंकों तक पहुंच गया था। बीते दिन निफ्टी 24,824.75 अंकों पर बंद हुआ था। इस बीच शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे बढ़कर 86.58 पर पहुंच गया था।

एशियाई बाजारों में मजबूती

एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी फंड प्रवाह के चलते तीन दिन की गिरावट के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी आई। सपाट शुरुआत के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बाद में शुरुआती कारोबार में 289.43 अंक चढ़कर 81,651.30 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 88.25 अंक चढ़कर 24,881.50 पर पहुंच गया।

किसे फायदा-किसे नुकसान?

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, इटरनल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और मारुति सबसे ज्यादा फायदे में रहीं। इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और कोटक महिंद्रा बैंक पिछड़ते नजर आए। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 934.62 करोड़ रुपये के इक्विटी खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 605.97 करोड़ रुपये के इक्विटी खरीदे।

ईरान पर क्लस्टर बम हमले का लगा आरोप, आखिर ये कितना खतरनाक

नई दिल्ली, एजेंसी। एक क्लस्टर बम असल में सैकड़ों छोटे-छोटे बमों का संग्रह होता है। जब इन बमों को दागा जाता है तब ये बीच रास्ते में फट कर बहुत बड़े इलाके को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे टारगेट के आसपास भी भारी नुकसान पहुंचता है।

इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष अब अपने आठवें दिन में पहुंच चुका है। दोनों ही तरफ से एक-दूसरे पर जबरदस्त हमले जारी हैं। जहां इस्राइली सेना ने ईरान में गुरुवार देर रात से लेकर शुक्रवार अल-सुबह तक परमाणु हथियार के विकास कार्यक्रमों से जुड़े ठिकानों पर हमले बोले। वहीं, ईरान ने एक के बाद एक मिसाइलों से हमला कर इस्राइल के प्रमुख शहरों- तेल अवीव और यरुशलम को निशाना बनाया। इस बीच इस्राइल ने आरोप लगाया है कि ईरान ने मिसाइलों के हमले के दौरान उस पर क्लस्टर बम भी दागे हैं। इस्राइल का कहना है कि ईरान ने ऐसा आम लोगों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से किया। अगर इस्राइल का यह आरोप सही है तो सात दिन के संघर्ष में यह पहली बार होगा, जब क्लस्टर म्यूनिशन का इस्तेमाल किया गया है।

इस युद्ध सामग्री को लेकर दुनियाभर में विवाद है। 2008 में एक संधि के तहत इस तरह के हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर क्लस्टर बम होता क्या है? यह बम कितना खतरनाक होता है? इसे लेकर विवाद क्यों है? उनका इस्तेमाल कब और कहां किया जा चुका है? किस हालिया जंग में इसके इस्तेमाल की खबरें आई थीं? एक क्लस्टर बम असल में सैकड़ों छोटे-छोटे बमों का संग्रह होता है। जब इन बमों को दागा जाता है तब ये बीच रास्ते में फट कर बहुत बड़े इलाके को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे टारगेट के आसपास भी भारी नुकसान पहुंचता है। इसका इस्तेमाल अधिकतर इन्फेंट्री यूनिट या दुश्मन देश की सेना के जमावड़े को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाता है। रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी) के अनुसार, इन्हें विमानों, तोपखाने और मिसाइलों द्वारा दागा जा सकता है। क्लस्टर बमों को हवा और जमीन दोनों जगहों से दागा जा सकता है।

पावरफुल इंडिया: चीन-यूएस के बाद बिजली उत्पादन में दुनिया में सबसे आगे निकला भारत, स्वच्छ ऊर्जा बनी बड़ी ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब बिजली उत्पादन में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। उत्पादन वृद्धि में अब सिर्फ अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं। आईईए की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए खासतौर पर सौर ऊर्जा में बड़ा निवेश हुआ, जिससे स्वच्छ ऊर्जा का योगदान 83त्न तक पहुंचा।

भारत पिछले पांच वर्षों में बिजली उत्पादन क्षमता के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। बिजली उत्पादन वृद्धि में अब सिर्फ अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में कई कारणों से बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है। इनमें वाणिज्यिक एवं आवासीय स्थानों का विस्तार, एयर कंडीशनर (एसी) व अन्य घरेलू उपकरणों के इस्तेमाल में वृद्धि और उद्योगों की बढ़ती मांग शामिल है। इस मांग को पूरा करने के लिए भारत में सभी ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन बढ़ाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली उत्पादन के इस विस्तार का प्रमुख चालक अक्षय ऊर्जा की ओर मजबूत झुकाव है, क्योंकि स्वच्छ ऊर्जा और विशेष रूप से सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) परियोजनाओं में बड़े स्तर पर निवेश किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में भारत में गैर-जीवाश्म ऊर्जा परियोजनाओं में किए गए कुल निवेश में सौर पीवी की आधे से अधिक हिस्सेदारी रही। 2024 में भारत के बिजली क्षेत्र में किए गए कुल निवेश का 83 फीसदी हिस्सा स्वच्छ ऊर्जा पहलों पर खर्च किया गया।

निवेश बढ़ाने में सरकारी नीतियों की बड़ी भूमिका

भारत के बिजली क्षेत्र में विदेशी निवेश बढ़ाने में सरकारी नीतियों का अहम योगदान है, जो बिजली उत्पादन (परमाणु ऊर्जा को छोड़कर) और ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे से जुड़े सभी क्षेत्रों में 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति देती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) में पिछले दो वर्षों में गिरावट देखी गई है। इस गिरावट का कारण व्यापक आर्थिक और क्षेत्र आधारित चुनौतियों का मिश्रण है।?हालांकि, भारत के बिजली क्षेत्र में दीर्घकालिक रुझान सकारात्मक बना हुआ है।

स्वच्छ ऊर्जा के लिए मिला सर्वाधिक फंड

आईईए ने रिपोर्ट में दावा किया कि भारत 2024 में स्वच्छ ऊर्जा के लिए विकास वित्त संस्थान (डीएफआई) से मिलने वाली फंडिंग का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता था। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारत को करीब 2.4 अरब डॉलर मिले। भारत के बिजली क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लगातार बढ़ रहा है, जो 2023 में 5 अरब डॉलर पहुंच गया। यह कोविड-19 महामारी से पूर्व के निवेश से लगभग दोगुना है।

50 लाख टन हरित हाइड्रोजन लक्ष्य पाने के लिए सृजित करनी होगी व्यापक मांग: देश में 2030 तक 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लक्ष्य को पाने के लिए व्यापक स्तर पर मांग सृजित करना महत्वपूर्ण है। बेन एंड कंपनी, उद्योग मंडल सीआईआई और रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत रणनीतिक क्षेत्रों के चयन, मिश्रण, सार्वजनिक खरीद का लाभ उठाने और निर्यात अवसरों के साथ तालमेल बिठाकर इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।?हरित हाइड्रोजन को अपनाने से जुड़े जोखिम से निपटने के लिए कच्चे माल की लागत को कम करने समेत कई?उपाय करने होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 तक तेल शोधन संयंत्रों से हरित हाइड्रोजन की मांग 20 लाख टन, उर्वरक क्षेत्र से 9 लाख टन और पाइप वाली प्राकृतिक गैस से एक लाख टन तक पहुंचने की उम्मीद है। निर्यात के मोर्चे पर हरित हाइड्रोजन निर्यात आठ से 11 लाख टन के बीच उत्पन्न हो सकता है।

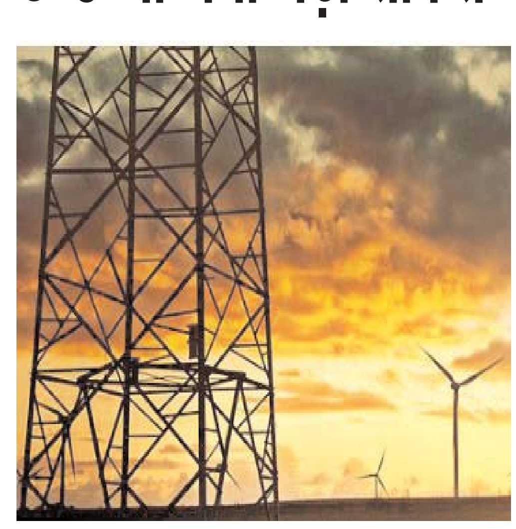

विश्व सिकल सेल दिवस पर किया जागरुक

छिंदवाड़ा। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिला रेडक्रास सोसायटी छिंदवाड़ा द्वारा कलेक्टर एवम अध्यक्ष शीलेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में गुरुवार को स्थानीय शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदवाड़ा के सभाकक्ष में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में प्रतिष्ठित शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टर अल्पना शुक्ला,रेडक्रास सोसायटी के सचिव डाक्टर एस ए ब्राउन जिला रेडक्रास सोसायटी सदस्य विनोद तिवारी, एमएलबी स्कूल की प्राचार्य अलका श्रीवास्तव, डा मनीषा जैन , कृष्णा महीरे प्रंजुल सिन्हा,गरिमा बत्रा, राकेश श्रीवास्तव एवम मुरलीधर राव सहित समस्त स्टाफ एवम बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम में डाक्टर अल्पना शुक्ला ने सिकल सेल होने के कारण एवम होने के बाद सावधानियां की विस्तृत जानकारी बच्चो को प्रभावी तरीके से दी। रेडक्रास सोसायटी के सचिव डाक्टर एस ए ब्राउन ने जिला रेडक्रास सोसायटी के उद्देश्य से परिचित करवाते हुए विश्व सिकल सेल दिवस पर छिंदवाड़ा के आदिवासी क्षेत्र में बढ़ते सिकल सेल के ग्रसित लोग की संख्या में वृद्धि पर चिंता जाहिर करते हुए इसकी जांच करवाने का सभी से आग्रह किया। इस अवसर पर रक्तदान महादान पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रेडक्रास सोसाइटी के विनोद तिवारी ने सभी को रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला एवम सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

हरियाली महोत्सव मनाने सहित विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

छिंदवाड़ा। मेहरा डेहरिया समाज की महिला प्रकोष्ठ की बैठक डंडियन कॉफी हाउस, वी आई पी रोड मे आयोजित हुई जिसमे जिला छिंदवाड़ा महिला प्रकोष्ठ के

संगठन विस्तार एंव हरियाली महोत्सव को सहित अन्य पर चर्चा की गई उपस्थित जिला महिला पदाधिकारियो को सचिव रैना हारले ने कहा कि हमे एक साथ मिलकर सामाजिक समिती संगठन के प्रति ईमानदारी से काम करना है। तथा पर्यावरण संतुलन बनाने को लेकर हमे सभी ब्लाकों महिलाओं को जागरूक कर हरियाली महोत्सव मनाकर पौध रोपण करना है ताकि हर जगह अधिक से अधिक पौधे रोपित कराना है। बैठक के दौरान महिलाओं के जीवन उत्थान महिला शशक्तिकरण शिक्षा के प्रति जागरूकता, महिला उत्पीड़न, महिलाओं को स्व रोजगार स्थापित करवाने समन्धित चर्च की गई,बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष उमा डेहरिया, सचिव रैना हारले, शकुंतला डेहरिया, छाया मेहरा, वनिता बामने, शुकुन डेहरिया, रानू डेहरिया, ज्योति डेहरिया, मंजू डेहरिया, सोनम डेहरिया, निहारिका डेहरिया, रीना डेहरिया सहित अन्य महिला पदाधिकारी उपस्थित रही।

अंतरराष्ट्रीय वृध्दजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस का आयोजित

छिन्दवाड़ा। 15 जून अंतर्राष्टीय वृध्दजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस का आयोजन गोधुली वृध्दाश्रम प्रियदर्शिनी कॉलोनी छिंदवाड़ा में किया गया। जिसमें लगभग 100 वृध्दजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में शासकीय कला पथक दल के प्रमुख कलाकारनरेन्द्र पाल द्वारा वृध्दजनों को दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस की विस्तार से जानकारी दी गई। आश्रम में रह रहे वृध्दजनों से संवाद किया गया। कार्यक्रम में आश्रम अधीक्षक प्रीतम सौठिया, नगरपालिक निगम के मुकेश व्दिवेदी, समग्र अधिकारी श्रीमती लीना उईके, कलाकार सुरेश कुमरे, सुखराम कुड़ापे एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा वृध्दजनों के प्रति संवेदनायें व्यक्त की गई। कलापथक दल द्वारा 16 से 19 जून तक अन्य स्थानों का भ्रमण कर वृध्दजनों से भेंटवार्ता की गई और उनके परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों द्वारा वृध्दजनों के साथ किये जा रहे व्यवहार के बारे में संवाद किया गया। श्रध्दा नगर की श्रीमती लक्ष्मी उम्र 80 वर्ष, बालकिशन उम्र 68 वर्ष, अम्बेडकर कॉलोनी में श्रीमती ग्यारसी उम्र 70 वर्ष, संचार कॉलोनी शंकर नगर माली टोला छिंदवाड़ा के ए.एल. निकर उम्र 70 वर्ष से भी भेंट वार्ता कर उनके साथ हो रहे पारिवारिक व्यवहार आचरण की जानकारी ली गई। एक वृध्दा को सिवनी वृध्दाश्रम में भर्ती होने पर परामर्श दिया गया। वरिष्ठ नागरिकों के मानव अधिकारों के दृष्टिगत वृध्द व्यक्तियों की सुरक्षा और सहायता तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य के कार्यक्रमों के माध्यम से प्रोत्साहित किया गया।

स्वामी विवेकानन्द बस स्टैंड से हटाया अतिक्रमण

छिंदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय के निर्देश पर सहायक आयुक्त मीना कोरी ने निगम अतिक्रमण दस्ते के साथ स्वामी विवेकानंद परिसर स्थित बस स्टैंड में अतिक्रमण विरोधी चालानी कार्यवाही की।बस स्टैंड परिसर में बनाए गए सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाए कमरे में आनंद हॉस्पिटल द्वारा अपना सामान रख लिया गया था, जिसके कारण परिसर में असुविधा उत्पन्न हो रही थी। इसके साथ ही अन्य दुकानदारों द्वारा भी दुकान की तय सीमा से बाहर व्यवसाय किया जा रहा था। इन अतिक्रमण पर कार्यवाही करते हुए निगम के अतिक्रमण दल ने उक्त स्थानों से अतिक्रमण को हटाया । इसके साथ ही आनंद हॉस्पिटल पर 7000 रुपए तथा अन्य तीन दुकानदारों पर 500-500 रुपए की चालानी कार्यवाही की गई। इसके उपरांत बस स्टैंड में ही गाड़ी वाशिंग सेंटर चालक द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को भी दल द्वारा हटाया गया।

आदिवासी जन समुदाय पर नहीं थम रहा है अत्याचार: पूर्णिमा

संपूर्ण प्रदेश में आदिवासियों पर बन रहे फर्जी प्रकरण

छिंदवाड़ा। स्थानीय देव होटल छिंदवाड़ा में गुलाबी गैंग कमाण्डर पूर्णिमा वर्मा ने विगत् 3 जून 25 को पॉढुर्णा के तिगॉव में हुई घटना के संबंध में प्रेस कान्फेंस में बताया कि जब उन्हे तिगॉव में हुई इस वीभत्स एवं दर्दनाक घटना और पुलिस कस्टडी में एक आदिवासी के साथ बर्बरता करते हुये उसकी हत्या की जानकारी मिलने पर वे मुंबई प्रवास से सीधे पीड़ित परिवार के पास तिगॉव पहुँचकर घटना की जानकारी ली और परिवारजनों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पॉढुर्णा जाकर पुलिस अधीक्षक से फोन पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की जांच में लेकर तथाकथित एसआई शिवकरण पांडे को तत्काल लाईन अटैच कर दिया गया है। गुलाबी गैंग कमाण्डर पूर्णिमा वर्मा ने बताया कि मृतक की पत्नी और चश्मदीद महिला जो कि इन्ही की रिश्तेदार है, ने बताया कि शराब ठेकेदार अज्जू ठाकुर के दो आदमी और एस.आई. शिवकरण पांडे ने उसके पति को मारपीट कर जबरन तिगॉव मांडवी में घर से उठाकर ले गये, जो कि न तो शराब बेच रहा था और न ही शराब की दुकान पर बैठा था, परंतु एस.आई. द्वारा मृतक पर जबरदस्ती शराब आबकारी अधिनियम धारा 34 (2) का मामला बनाया गया और 4 जून को जिला जेल में दाखिल कराया गया । उस समय मृतक शारीरिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ था परंतु एस.आई. के द्वारा मृतक की छाती में जूते भरे लाते मारे गये, उसकी पत्नी ने कहा कि उसके पति ने मृत्यु पूर्व बताया था कि एस.आई. एवं अन्य पुलिस कर्मी ने उसके पति के साथ लात, जूतों से छाती में मारपीट की जिससे उसे छाती में दर्द के साथ-साथ पूरे शरीर में दर्द था, इसके बाद मृतक का जिला जेल के डॉक्टर द्वारा इलाज किया गया लेकिन हालत में सुधार न होने की वजह से करीब 8 बजे उसे जिला अस्पताल लाया गया जहॉं प्राथमिक उपचार के बाद उसकी मौत हो गई। इधर पति की मौत की खबर सुनते ही पत्नी शर्मिला पहुँची और परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाये, मृतक की पत्नी का स्पष्ट कहना है कि पुलिस द्वारा उसके पति के साथ बर्बरतापूर्ण मारपीट की गई है, जिससे उसकी पति की आकस्मिक मृत्यु हुई है । मृतक की पत्नी ने आरोप लगाया कि मेरे पति की हत्या शराब ठेकेदार के गुण्डों एवं एस.आई. शिवकरण पाण्डे के द्वारा की गई है, मृतक की पत्नी ने गुलाबी गैंग के सामने न्याय की मांग करते हुये कहा कि हम गरीब आदिवासियों को डराया धमकाया जाता है, भय और आतंक के साये में हम अपना जीवन जी रहे हैं । मेरे पति के साथ जो वीभत्स घटना हुई उसकी पुनर्रावृत्ति और किसी आदिवासी परिवार के साथ न हो, इसके लिये निष्पक्ष रूप से उच्च स्तरीय सी.बी.आई. की जांच की है । जिला जेल प्रबंधन की लापरवाही के कारण संबंधित जेलर पर और तथाकथित दुर्घटना के समय जो कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात थे उन पर कड़ी कार्यवाही करते हुये गुलाबी गैंग देश के केन्द्रीय गृहमंत्री एवं राज्य सरकार से एक सप्ताह के भीतर इन सभी के निलंबन की मांग करता है, निलंबन नहीं होने पर जिला जेल के सामने मैं पूर्णिमा वर्मा आमरण अनशन पर तब तक बैठूंगी जब तक जिला जेल अधीक्षक का निलंबन नहीं हो जाता। पूर्णिमा वर्मा ने कहा कि प्रदेश में मोहन सरकार के काल का ग्रास बनता आदिवासी जन समुदाय एक चिंता का विषय अगर गंभीरता से इस पर निर्णय नहीं लिया जाता है, तो आदिवासी जन समुदाय के साथ जेल तिराहे छिंदवाड़ा में आमरण अनशन पर बैठेगी।

छिंदवाड़ा में आदिवासी नाबालिग युवती के साथ गैंगरेप गुलाबी गैंग ने दी सरकार को चेतावनी

एक आदिवासी पीड़िता ने सामने आकर बताया कि कैसे उसे 1 जून 2025 को गाँव के दबंगों द्वारा अगवा कर 12 दिनों तक बंधक बनाकर दैहिक शोषण किया गया।गैंगरेप की शिकार युवती ने सुनाई आपबीती आरोपियों में मोन्टी अल्डक, शीतल अल्डक, सुनील कंटक, निरंजन ठाकरे, मनीषा ठाकरे,अंजू चन्देल ,एक अन्य शामिल हैं। पीड़िता के अनुसार, उसे जबरन टू-व्हीलर में बैठाकर पहले गुरैया ले जाया गया और फिर अगले दिन पातालेश्वर मंदिर में झूठा विवाह कर सुनील कंटक के साथ रखा गया।12 दिनों तक उसे कैद में रखकर बार-बार बलात्कार किया गया और धमकाया गया कि अगर किसी को कुछ बताया तो उसे और उसके परिवार को मार दिया जाएगा।पीड़िता ने बताया कि वह आदिवासी समुदाय से है, कम पढ़ी-लिखी और मानसिक रूप से कमजोर है, और उसके परिजन मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। पुलिस द्वारा आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। गुलाबी गैंग की सरकार को चेतावनी गुलाबी गैंग ने इन दोनों घटनाओं को लेकर प्रदेश सरकार और प्रशासन को एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया है। अगर दोषियों को निलंबित कर जांच नहीं कराई जाती, तो गुलाबी गैंग आंदोलन करेगा और इसके लिए जिम्मेदार प्रशासन होगा। छिंदवाड़ा जिले की ये दो घटनाएं न सिर्फ आदिवासी समाज की सुरक्षा पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और दबंगई का भयावह चेहरा भी उजागर करती हैं।

मुख्य अभियंता ने उपभोक्ता सेवा केंद्र का निरीक्षण किया

समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री के.एल. वर्मा द्वारा पांढुर्णा जिले के विकासखंड सौंसर के अंतर्गत 33/11 के.वी. उपकेन्द्र, एफ.ओ.सी. सेन्टर सौंसर (शहर) एवं संभागीय कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्युत व्यवस्था, घरेलु एवं कृषि फीडरों की विद्युत सप्लाई, ट्रिपिंग, लाईनों का रखरखाव एवं एफ.ओ.सी. सेन्टर में दर्ज शिकायतें व उनके निराकरण में लगने वाले समय की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने एल.टी.आर.यू. (ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग यूनिट) का निरीक्षण किया एवं उपस्थित कर्मचारियों से ट्रांसफार्मर को सुधारने की प्रक्रिया की जानकारी ली व कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे ट्रांसफार्मर सुधार कार्य की प्रशंसा की।मुख्य अभियंता जबलपुर श्री वर्मा द्वारा 1912 कॉल सेन्टर पर पंजीकृत शिकायतों का समाधान यथाशीघ्र करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 33/11 के.वी. लाईनों, वितरण ट्रांसफार्मरों का रखरखाव समय-सीमा में करने एवं उपभोक्ताओं के साथ जनसंवाद कर समस्याओं का निराकरण करने के भी निर्देश दिए गये। उन्होंने संभागीय कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपस्थित कर्मचारियों के कार्यप्रणाली की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता सौंसर अखिलेश श्रीवास्तव, सहायक अभियंता रणजीत सिंह गौण्ड, कनिष्ठ अभियंता सौंसर एवं कर्मचारी आदिउपस्थित थे। मुख्य अभियंता जबलपुर श्री वर्मा द्वारा अपने दौरे के अगले क्रम में पांढुर्णा संभाग के शहरी वितरण केंद्र के विद्युत उपभोक्ता सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्युत संबंधी उपभोक्ता शिकायतों की दर्ज करने की प्रक्रिया व उनकी समय पर निराकरण करने एवं इस प्रक्रिया में सुधार की संभावनाओं की गहन समीक्षा की।

पदोन्नति में आरक्षण पर ऐतिहासिक जीत

AJJAKS एवं संयुक्त मोर्चा छिंदवाड़ा की ओर से समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जिला छिंदवाड़ा के अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश एससी एसटी जिला शाखा अजाक्स छिंदवाड़ा के महासचिव सतीश गोंडाने द्वारा बताया गया है कि मध्यप्रदेश के समस्त सामान्य वर्ग पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए यह क्षण अत्यंत गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक है। पदोन्नति में आरक्षण जैसे संवैधानिक अधिकार की बहुप्रतीक्षित लड़ाई में अंततः न्याय की विजय हुई है। यह जीत संयुक्त मोर्चा के समस्त संघर्षशील कर्मचारियों, संगठनों और विशेष रूप संगठित प्रयासों का परिणाम है। (अखिल भारतीय अनु.जा./जन.जा. अधिकारी कर्मचारी संघ) द्वारा वर्षों से यह संघर्ष न केवल विधिक और प्रशासनिक स्तर पर लड़ा गया, बल्कि प्रदेश के कोने-कोने में जागरूकता, ज्ञापन, धरना, प्रदर्शन और संवाद के माध्यम से शासन-प्रशासन को लगातार अवगत कराया गया।इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए हम मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से आभार प्रकट करते हैं, जिनके संवेदनशील नेतृत्व ने न्यायोचित निर्णय की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाई। आजाक्स के प्रांतीय अध्यक्ष जे.एन. कंसोटिया, प्रांतीय महासचिव (प्रशासन) एस.एल. सूर्यवंशी, मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जितेन सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष एमपी द्विवेदी एवं समस्त प्रांतीय पदाधिकारियों, तहसील, जिला एवं संभाग स्तर के कर्मठ सदस्यों ने इस निर्णय तक पहुँचने में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

बढ़ते अपराध व अनाचार के खिलाफ आक्रोशित हुए आदिवासी

कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रस्तुत किया ज्ञापन पीड़ित आदिवासी परिवारों को न्याय दिलाने की रखी मांग

छिन्दवाड़ा। आदिवासी हर स्तर पर शोषित होकर पीड़ित बन रहा है। जिले के जिम्मेदार व शासन-प्रशासन पूरी तरह से मौन बना हुआ है जिसके चलते अपराधियों के हौसले दिन पर दिन बुलंद हो रहे। विगत कुछ दिवसों में छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिले में आदिवासी परिवारों के साथ हुई आपराधिक वारदातों से आदिवासी समाज आक्रोशित है। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने व आपराधियों पर ठोस कार्रवाई की लगातार मांग करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने से नाराज कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ ने महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन प्रस्तुत कर उचित कार्रवाई के लिए मांग की।कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ के द्वारा जिला कलेक्ट्रेट में राज्यपाल के नाम प्रस्तुत ज्ञापन के माध्यम से कहा कि मप्र में आदिवासियों के साथ शोषण, अत्याचार दुष्कर्म सहित अन्य जघन्य वारदातें लगातार बढ़ रही है। प्रदेश की भाजपा सरकार इस पर कोई संज्ञान नहीं ले रही ना ही कोई कार्रवाई कर रही है। खण्डवा, सिवनी, मण्डला, बालाघाट व डिण्डौरी सहित अब छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिले में आदिवासियों पर जघन्य अपराध घटित हुए हैं और कार्रवाई शून्य है। आदिवासियों पर अत्याचार निवारण की राशि विगत दो वर्षों से बंद हैं। गत दिवस पांढुर्ना जिले के निवासी आदिवासी भाऊराव उइके को झूठे प्रकरण में फंसाकर उसके साथ पुलिस अभिरक्षा में बुरी तरह मारपीट की गई जिससे उसकी जिला जेल में मौत हो गई। छिन्दवाड़ा जिले के तामिया ब्लॉक में दो दबंग साहू परिवार के युवाओं ने आदिवासी परिवार की नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म कर जान से मारने की धमकी दी। नवेगांव थाना अंतर्गत नाबालिग बच्ची के साथ दो लोगों ने दुष्कर्म किया। आरोपी आज भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। जुन्नारदेव में दो अलग-अलग दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। चौरई थाना अंतर्गत राजलवाड़ी में दो दबंग लोगों ने आदिवासी युवक को अर्धनग्न कर घुमाया और मारपीट की गई। सम्पूर्ण प्रकरणों ने यह साबित कर दिया है कि जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो चुकी है। पुलिस और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी हाथ में हाथ बांधकर बैठे हैं। कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ ने सम्पूर्ण आपराधिक मामलों के आरोपियों पर ठोस कार्रवाई की मांग की है साथ ही अविलम्ब कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञापन प्रस्तुत करते समय जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रामनारायण परतेती, शहर कांग्रेस के प्रभारी धर्मेन्द्र सोनू मांगो, शहर कांग्रेस अध्यक्ष पप्पू यादव, अशोक उइके, शिवकुमार सिरसाम, ब्रजकुमारी सरयाम, संतोष भारती, स्नेह सरेयाम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

कांग्रेस सेवादल ने सिकल सेल पर किया जागरुक

कांग्रेस सेवादल ने सिकल सेल पर जागरूकता कार्यक्रम सेवादल कार्यालय में आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में सेवादल के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सिकल सेल को लेकर आम लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले ने आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रतिवर्ष 19 जून को सिकल सेल दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर रोग के प्रति जागरूकता फैलाना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त दिवस है दीपक बाजपेई जी ने बताया कि यह एक वंशानुगत रोग है यह अधिकतर खून की कमी के कारण होता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हेमंत राजपूत, पंचम अमरोदे, बलराम चौहान, नफीस कश्मीरी, आशीष पाल, देशराज बरसकर, राकेश मरकाम, आदि सहित अन्य उपस्थित रहे।

शहर में साढ़े 15 हजार विद्युत उपभोक्ता और सुधारने के लिए मात्र 3 शिफ्ट में 10 कर्मचारी, हाइड्रोलिक वाहन भी नहीं

आष्टा। बारिश शुरू होते ही शहर में विद्युत फाल्ट की घटनाएं लगातार हो रही है साथ घरेलू कनेक्शन की शिकायत भी बढ़ जाती है ऐसे में आष्टा विद्युत वितरण कंपनी के पास शहरी क्षेत्र में विद्युत लाइन ठीक करने के लिए मात्र दो वाहन है और तीन शिफ्ट में 10 कर्मचारी। बता दे की आष्टा शहर में साडे 15000 विद्युत उपभोक्ता है इनके देखरेख के लिए मेंटेनेंस सुधारने के लिए 10 कर्मचारी 3 शिफ्ट में दो वाहन से विद्युत लाइन सुधारते हैं। सीहोर सर्कल में एक हाइड्रोलिक वाहन जरूर है लेकिन वह जरूरत हो तभी आष्टा भेजा जाता है।

नागरिक रमेश चंद गुप्ता , रवि राठौर ने बताया कि शहर में कई बार विद्युत लाइन कनेक्शन सही करने में घंटों लग जाते हैं कहते हैं कि अभी लाइन सही करने दूसरे मोहल्ले में कर्मचारी गए हैं अगर हाइड्रोलिक वाहन होगा तो काम भी जल्दी होगा और कर्मचारी की सुरक्षा भी होगी क्योंकि सीढ़ियां लगाने से खंभों पर कई बार हादसों की आशंका भी बनी रहती है।

3 शिफ्ट में 10 कर्मचारी विद्युत लाइन ठीक करते हैं

विद्युत वितरण कंपनी आष्टा के सहायक यंत्री कलन चाकरे ने बताया कि आष्टा शहर में कुल साडे 15000 उपभोक्ता है इसमें ग्रामीण क्षेत्र के शामिल नहीं है हमारे पास शहर के उपभोक्ताओं के लिए तीन शिफ्ट में 10 कर्मचारी काम करते हैं साथ ही दो पिकअप वाहन है लेकिन यह एक ही हाइड्रोलिक वाहन नहीं है जरूरी होने पर हम सीहोर से हाइड्रोलिक वाहन बुलवाते हैं।

देहात थाने अवैध गांजा तस्करी पर की कार्रवाई

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता(आईपीएस)के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक अजय राणा के द्वारा अवैध मादक पदार्थ के विक्रय पर अंकुश लगाए जाने के निर्देश प्राप्त हुए है देहात पुलिस को मुख्यबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि भैसादण्ड निवासी सोविन्द पिता इन्दर यदुवंशी काराबोह डेम के पास अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखकर उसे बेचने की फिराक में खड़ा है। जो तत्काल थाना प्रभारी देहात गोविन्द राजपूत द्वारा थाना स्तर पर सनि संदीप सिंह राजपूत, आर.779 सौरभ बघेल, आर. 201 विजय, आर. 414, ब्रजेश, आर.836, उमेश म.आर. 320 रानू को आवश्यक दिशा निर्देश देकर रेड कार्यवाही करने रवाना किया गया था जो उक्त टीम द्वारा आरोपी को अभिरक्षा में लेकर आरोपी के कब्जे से 500 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जप्त कर आरोपी के विरूद्ध अप.क्र.324/25 धारा 8.20 एनडीपीएस एक्ट का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सांसद ने 71 परिवारों को दी 3 लाख 5 हजार की आर्थिक सहायता

छिन्दवाड़ा। सांसद हर उस व्यक्ति की जरूरत पूरी कर रहे है, जो उनके समक्ष अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए आर्थिक सहायता की गुहार लगा रहे है। इसी कड़ी में बुधवार 18 जून को सांसद कार्यालय में छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा के 71 परिवारों को सांसद श्री साहू ने अपनी स्वेच्छानुदान निधि से 3 लाख 5 हजार की सहायता राशि के चैक वितरित किये। चैक पाकर सभी के चेहरों पर खुशी देखी गई। सांसद श्री साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा है कि हर जरूरतमंद लोगों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाये। इसी मंशा को पूरा करते हुए छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा जिले के हर जरूरतमंद लोगों की हर संभव मदद की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सांसद साहू लगातार छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा जिले का दौरा कर रहे है। इस दौरान आर्थिक रूप से कमजोर परिवार द्वारा सांसद साहू से मुलाकात करते हुए अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देकर आर्थिक सहायता के लिए निवेदन किया जा रहा है। जिसे गंभीरता से लेते हुए लगभग सभी के आवेदनों पर विचार करते हुए उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सांसद श्री साहू के समक्ष पहुंचे आर्थिक सहायता के आवेदनों में इलाज, स्कूलों एवं कॉलेजों की फीस सहित अन्य मामले शामिल है। उक्त राशि के चैक मिलने पर हितग्राहियों ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि इस राशि से उनकी जरूरतें पूरी हो जायेगी। गौरतलब है कि सांसद श्री साहू इसके पूर्व भी सांसद कार्यालय छिन्दवाड़ा सहित सौंसर एवं पांढुर्णा दौरे के दौरान कई हितग्राहियों को अपनी स्वेच्छानुदान निधि से लाखों की सहायता राशि दे चुके है। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता टीकाराम चंद्रवंशी, मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला, सौरभ ठाकुर, बबलु पराते सहित हितग्राही उपस्थित थे।

सिंहस्थ की तैयारी के लिए इंदौर सांवेर रोड टू-लेन होगा

इंदौर। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत इंदौर जिले को बड़ी सौगात मिली। 78 करोड़ रुपये की लागत से टिगरिया बादशाह से बडोदियाखान सांवेर तक 50 किलोमीटर लंबी टू-लेन सड़क बनाई जाएगी। इस परियोजना को वित्तीय व्यय समिति की 109वीं बैठक में स्वीकृति मिल गई। इससे इंदौर ग्रामीण क्षेत्र के 20 से अधिक गांवों के एक लाख से ज्यादा लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

यह सड़क इंदौर के सुपर कॉरिडोर स्थित टीसीएस चौराहे से शुरू होकर बडोदियाखान तक जाएगी, जो उज्जैन जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग बनेगा। इससे इंदौर-उज्जैन राज्य मार्ग पर यातायात का दबाव कम होगा। खासकर महाराष्ट्र व गुजरात से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक इस रास्ते से सीधे उज्जैन पहुंच सकेंगे। परियोजना के तहत 27 पुल-पुलियों का भी निर्माण होगा,जिसकी कुल अवधि दो वर्ष निर्धारित की गई है। इस सड़क के निर्माण से टिगरिया बादशाह, गुलावट, पितावली, मेरखेडी, बघाना, नागपुर, धतुरिया, मण्डोत-सिन्नीद, चित्तौडा, टिटावदा जैसे गांवों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी। मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का आभार जताया।

65 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार, 1.84 लाख रुपए की मादक सामग्री जब्त

आष्टा पुलिस ने 11.5 किलो गांजा पकड़ा

आष्टा। आष्टा पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान में एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 18-19 जून की रात को ग्राम भंवरा में की गई कार्रवाई में 11.5 किलो अवैध गांजा जब्त किया है। इस मामले में 65 वर्षीय बालमुकुंद परमार को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए गांजे की कीमत करीब 1.84 लाख रुपए आंकी गई है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सीहोर दीपक कुमार शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत और एसडीओपी आष्टा आकाश अमलकर के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक गिरीश दुबे के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम भंवरा में दबिश दी। आरोपी बालमुकुंद परमार के घर की तलाशी में गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड लिया जाएगा। पूछताछ में गांजे के स्रोत और अन्य शामिल लोगों की जानकारी जुटाई जाएगी। आरोपी ग्राम भटोनी रोज, भंवरा, जिला सीहोर का रहने वाला है।

कल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पहली बार कुष्ठ रोगियों के साथ मनाया जाएगा योग का पर्व

भोपाल। 21 जून 2025 यानी कल 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पर ऐतिहासिक पहल होने वाली है। इस बार योग दिवस का आयोजन गांधी नगर, भोपाल स्थित कुष्ठ आश्रम में किया जाएगा, जहां पहली बार

कुष्ठ रोगी योग दिवस में भाग लेंगे। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय योग गुरु कृष्णा मिश्रा (कृष्णा गुरुजी) की अगुवाई में होगा, जो हर वर्ष योग दिवस को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से अनूठे स्थानों पर योग करवाते आए हैं। कुष्ठ रोगियों के साथ सामूहिक योग अभ्यास होगा। साथ ही रोग से मुक्ति में योग की भूमिका विषय पर संवाद भी होगा। दिव्यांग योग, सरल प्राणायाम और ध्यान सत्र आयोजित किया जाएगा। मानसिक संतुलन की विधियां बताई जाएंगी। सेवा भाव से उपयोगी वस्तुओं का वितरण भी होगा।

पहले भी हुए अनूठे तरीके से योग

कृष्णा गुरुजी इससे पहले 2015 में चलती इंदौर जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन में, 2016 में एयरपोर्ट पर, 2017 में महाकाल मंदिर में भिक्षुओं के साथ, 2018 में कैलाश मानसरोवर में ऊंचाई पर ऑक्सीजन के अभाव में योग, 2019 में अमेरिका के क्रूज पर, 2020 में ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ ऑनलाइन, 2021 विश्व भर के सूर्योदय से सूर्यास्त तक ऑनलाइन सत्र, 2022 में वंदे भारत ट्रेन में सीटेड योग, 2023 में कुली समुदाय के साथ और 2024 में अमेरिका के एनजीओ के साथ ऑनलाइन योग कर चुके हैं। इस पहल का उद्देश्य यह संदेश देना है कि योग सिर्फ स्वस्थ लोगों के लिए नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक शक्ति का माध्यम है, चाहे वह किसी भी परिस्थिति में क्यों न हो।

आज से हटेगा अतिक्रमण कंडम वाहन रखने हर ब्लॉक में ट्रेंचिंग ग्राउंड होगा

भोपाल। राजधानी की सड़कों और बाजारों को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा। इसके लिए पहली बार जिला स्तरीय दल का गठन हुआ है। कलेक्टर ने इसका प्रभारी एडीएम अंकुर मेश्राम को बनाया है। इस दल में पुलिस, नगर निगम, सभी एसडीएम, सभी एसीपी, आरटीओ,

पीडब्ल्यूडी, बिजली कंपनी और स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि बतौर सदस्य जोड़े गए हैं।

शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली सभी कार्रवाई इस दल के अधीन होंगी। अतिक्रमण हटाने की मुहिम शुक्रवार से शुरू होगी। पहले चरण में सड़कों पर खड़े होने वाले वाहनों को सड़कों से हटाया जाएगा। अभियान की शुरुआत टीटी नगर दशहरा मैदान से होगी।

अब तक शहर और ग्रामीण में जो अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलीं। उनमें कहीं न कहीं समन्वय की कमी रही है। इस कारण यह दल बनाया गया है। इसके लिए कलेक्टोरेट में अलग से इस दल का रूम रहेगा। कार्रवाई के लिए यहां पर भी सूचनाएं दी जा सकेंगी।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि यह दल लगातार कार्रवाई करेगा। हाल ही में हुई बैठक में सांसद आलोक शर्मा ने कंडम वाहनों को जब्त करने और अतिक्रमण हटाने के लिए जिला स्तरीय दल बनाने का सुझाव दिया था। उसके बाद प्रशासन ने यह दल बनाया है।

जबलपुर में नाबालिग रेप पीड़िता ने दिया बच्चे को जन्म

इंस्टा पर दोस्ती के बाद ज्यादती, प्रेग्नेंट हुई तो गर्भपात की गोलियां खिलाई, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद 16 वर्षीय किशोरी से रेप और फिर जबरन गर्भपात कराने की कोशिश करने वाले 21 वर्षीय युवक को जबलपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मोहित लोधी जिले से फरार होने की फिराक में था, जिसे मझगंवा थाना पुलिस ने खेत में घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी के खिलाफ बलात्कार, अपहरण और पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

शिवपुरी में तेरहवीं के भोजन से 255 लोग हुए बीमार

शिवपुरी। शिवपुरी के छीरारी गांव में बुधवार को तेरहवीं के भोजन के बाद शुरू हुई उल्टी-दस्त की शिकायतें अब भी सामने आ रही हैं। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम को 6 और ग्रामीण बीमार मिले हैं, जिससे अब कुल पीड़ितों की संख्या बढ़कर 255 हो गई है।

बीमारों में 107 महिलाएं, 116 पुरुष, 7 बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। 60 साला से ज्यादा आयु के 14 पुरुष और 11 महिला मरीज भी प्रभावित हुए हैं।हालांकि स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की सतर्कता के चलते गांव में हालात अब पूरी तरह नियंत्रण में हैं।

लगातार निगरानी कर रही डॉक्टरों की टीम- सीएमएचओ डॉ. संजय ऋशेश्वर ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि छीरारी और सिद्धपुरा गांव में डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी कर रही है। अब तक किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है और न ही किसी को रेफर करने की जरूरत पड़ी है। स्वास्थ्य शिविर और घर-घर उपचार की व्यवस्था बनी हुई है।

आज सिनेमा घरों पर सितारे जमीन पर

10 स्पेशली एबल्ड पर बनी फिल्म जो सिनेमा घरों में लगी जिसका प्रथम दिन प्रथम शो उमंग गौरवदीप वेलफेयर सोसाइटी के दिव्यांग छात्र-छात्राएं अपने शिक्षकगण के साथ (संगीत) सिनेमा घर में देखा।

मानसून के दस्तक देते ही रंग-बिरंगी छतरियों से सजा बाजार

प्रदेश के साथ ही भोपाल में भी मानसून ने दस्तक दे दी है। बारिश या भारी बारिश की संभावना को लेकर दुकानदारों में खुशी है और बाजार रंग-बिरंगी छतरियों से सज गया है।

मध्य प्रदेश में बारिश का दौर जारी आज 8 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून पूरे प्रदेश को कर कर लिया है। अब लगातार बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को मौसम विभाग ने अशोकनगर, दमोह, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा और मऊगंज में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां 24 घंटे में 2.5 से 4.5 इंच तक बारिश होने का अनुमान है। साथ ही भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के बाकी जिलों में गरज-चमक, आंधी और बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 दिन तक पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर बना रहेगा। मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वर्तमान में लो प्रेशर एरिया, तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन और दो ट्रफ की एक्टिविटी है। एक ट्रफ प्रदेश के पास से गुजर रही है। इन वजहों से प्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है। अगले 4 दिन तक या ऐसा ही मौसम बना रहेगा।गुरुवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, राजगढ़, अशोकनगर और हरदा समेत कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहा।

बारिश से तापमान गिरा ठंडक ने गर्मी से दी राहत

प्रदेश के 16 जिलों में गुरुवार को बारिश का दौर रहा। रतलाम में सबसे ज्यादा सवा इंच पानी गिर गया। इंदौर में आधा इंच बारिश हुई। बारिश की वजह से कई शहरों में पारा काफी लुढ़क गया। इंदौर में दिन-रात का तापमान लगभग बराबर हो गया है। बुधवार-गुरुवार की रात में तापमान 24.3 डिग्री था, जबकि गुरुवार को यह 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रतलाम और उज्जैन में दिन-रात के तापमान में सिर्फ 2 डिग्री का अंतर रहा। रतलाम में बुधवार-गुरुवार की रात में पारा 24.2 डिग्री रहा था, जबकि गुरुवार को दिन में तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, उज्जैन में रात में 25.5 डिग्री और दिन में 27.5 डिग्री दर्ज किया गया। बालाघाट के मलाजखंड, गुना, रायसेन, पचमढ़ी और धार में भी पारा 30 डिग्री से कम रहा। बड़े शहरों में भोपाल में 30 डिग्री, इंदौर में 31.4 डिग्री, ग्वालियर में 33.5 डिग्री और जबलपुर में 32.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। टीकमगढ़ में सबसे ज्यादा 40.5 डिग्री रहा।

प्रस्तावित नवनिर्माणधीन पार्क कार्य का निरीक्षण

भोपाल। महापौर मालती राय ने आज जोन 06 वार्ड 48 ई-7 अरेरा कॉलोनी में प्रस्तावित नवनिर्माणधीन पार्क कार्य का निरीक्षण किया । उन्होंने जल्द कार्य पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया । इस अवसर पर पार्षद अरविंद वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह , व नगर निगम अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल के 90 डिग्री वाले आरओबी की जांच के लिए समिति गठित

भोपाल। ऐशबाग स्टेडियम के पास बने रेलवे ओवरब्रिज को लेकर विवाद गहरा रहा है। यह विवाद ब्रिज के 90 डिग्री के अजीबोगरीब मोड़ को लेकर है। पुल के डिजाइन और निर्माण को लेकर लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं। उधर, सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे पर बहस जारी है। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की है। जो इस पुल के सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने पर विचार करेगी। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने इस विवाद पर कहा कि सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लिया है। राकेश सिंह ने बताया कि

दो चीफ इंजीनियर्स की एक समिति गठित की गई है। जो इस पुल के डिजाइन पर पुनः विचार करेगी और सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। यह समिति रेलवे और अन्य संबंधित विभागों से भी चर्चा करेगी और जल्द ही पुल के सुधार के लिए आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। मंत्री ने कहा, हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि यह पुल सुरक्षित और दुर्घटना रहित हो।

ब्रिज के अजीबोगरीब मोड़ पर विवाद

भोपाल में इस ओवरब्रिज के निर्माण पर 18 करोड़ रुपए की लागत आई है। पुल की लंबाई 648 मीटर और चौड़ाई 8.5 मीटर है। लेकिन इसमें एक 90 डिग्री का मोड़ है, जो सड़क परिवहन के लिहाज से खतरनाक हो सकता है। इस मोड़ को लेकर नागरिकों और स्थानीय लोगों में आक्रोश है। यह मोड़ वाहनों की गति और सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। कई सोशल मीडिया यूजर ने इस मोड़ को अजीब बताया है।

जमीन के अभाव में बना 90 डिग्री मोड़

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की एक टीम ने इस पुल का परीक्षण किया। टीम ने पाया कि इसका अजीबोगरीब मोड़ जमीन की अभाव के कारण बना है। पुल का निर्माण रेलवे की जमीन पर किया गया है। मेट्रो स्टेशन के कारण इस क्षेत्र में भूमि की कमी थी। अधिकारियों का कहना है कि जमीन कम होने के कारण इस मोड़ को बनाना पड़ा।

ओवरब्रिज को लेकर सरकार का दावा

पुल का निर्माण इस उद्देश्य से किया गया था कि ऐशबाग क्षेत्र के लोग अब रेलवे क्रॉसिंग पर लंबा इंतजार नहीं करेंगे। उन्हें अब लंबा चक्कर भी नहीं लगाना पड़ेगा। सरकार का दावा था कि इस ओवरब्रिज के बनने से प्रतिदिन लगभग तीन लाख लोगों को राहत मिलेगी और यातायात में सुधार होगा। पुल से महामाई बाग और पुष्पा नगर जैसे इलाकों के लोग आसानी से आवाजाही कर सकेंगे।

रेलवे से की अतिरिक्त भूमि की मांग

पुल के डिजाइन पर विवाद उठने के बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने अपनी स्थिति स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि इस ओवरब्रिज को रेलवे की भूमि पर बनाया गया है। मेट्रो स्टेशन के कारण यहां भूमि की उपलब्धता सीमित थी। लोक निर्माण विभाग ने इस पुल की खामी को सुधारने के लिए रेलवे से कुछ अतिरिक्त भूमि की मांग की है। रेलवे के प्रवक्ता नवल अग्रवाल ने इस पर कहा कि अगर लोक निर्माण विभाग औपचारिक रूप से इस बारे में प्रस्ताव भेजता है तो इस पर विचार किया जाएगा।

सोनम को यूपी ले गए ड्राइवर से पूछताछ आज भी इंदौर में रहेगी शिलॉन्ग पुलिस

इंदौर। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में आरोपी सोनम जिस टैक्सी से इंदौर से उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पहुंची थी, उसके ड्राइवर तक पुलिस पहुंच गई है। शिलॉन्ग पुलिस की एक टीम ने गुरुवार को टैक्सी ड्राइवर से एक घंटे तक पूछताछ की है।

गुरुवार को ही इंदौर के क्राइम ब्रांच थाने में सोनम के यहां काम करने वाले तीन कर्मचारियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। इनमें दो युवतियां शामिल हैं।

उधर, राजा की हत्या के पांचों आरोपियों को शिलॉन्ग पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने सोनम रघुवंशी और राज कुशवाह को दो दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है। बाकी तीन आरोपियों- विशाल चौहान, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। शिलॉन्ग पुलिस 17 जून से इंदौर में है। इस दौरान दस से ज्यादा लोगों से सोनम के बारे में जानकारी निकाली है। पहले दो दिन तो टीम अलग-अलग स्पॉट पर गई, जबकि तीसरे दिन क्राइम ब्रांच थाने में बैठकर सोनम के बारे में जानकारी जुटाई। संभावना है कि शिलॉन्ग एसआईटी शुक्रवार को भी इंदौर में रुक सकती है।

इंदौर में तीन दिन में इन लोगों से हो चुकी पूछताछ

पहला दिन (17 जून)- शिलॉन्ग पुलिस की एसआईटी ने सबसे पहले राजा रघुवंशी के परिवार से पूछताछ की। करीब दो घंटे टीम उनके घर रुकी। राजा के दोनों बड़े भाई- सचिन, विपिन और उनकी मां उमा रघुवंशी से सोनम के व्यवहार के बारे में जाना।

दूसरा दिन (18 जून)- शिलॉन्ग की टीम सोनम के भाई गोविंद को लेकर उसके घर पहुंची। करीब दो घंटे गोविंद और उसके परिवार के लोगों से पूछताछ की। सोनम के सामान को भी चेक किया। इसके बाद टीम गोविंद के ऑफिस और उनके गोडाउन भी गई। यहां भी कुछ लोगों से पूछताछ की और जरूरी डॉक्यूमेंट्स चेक किए।

तीसरा दिन (19 जून)- शिलॉन्ग पुलिस की एसआईटी ने इंदौर क्राइम ब्रांच थाने पर कुछ लोगों को पूछताछ के लिए बुलवाया था। सोनम का भाई गोविंद अपने यहां काम करने वाले तीन कर्मचारियों को लेकर पहुंचा।

हमीदिया में एमआरआई ठप, 10 दिन से बंद मशीन

निजी लैब में 10 हजार तक खर्चने को मजबूर मरीज नई मशीनें शुरू होने का प्लान अबतक नहीं

भोपाल। राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक, हमीदिया में पिछले दस दिनों से एमआरआई जांच बंद पड़ी है। इसके चलते मरीजों को मुफ्त उपचार के बजाय निजी लैबों में 10 हजार रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। अस्पताल में भर्ती गंभीर मरीजों का इलाज भी अटक गया है, जिससे उनकी जान पर बन आई है।

जानकारी के अनुसार अस्पताल के पुराने भवन को तोड़कर नया भवन बनाया जा रहा है। इस दौरान जेसीबी से खुदाई करते समय सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन का अर्थिंग पिट टूट गया। बिना उचित अर्थिंग के मशीन चलाने से शॉर्ट सर्किट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप एमआरआई मशीन पूरी तरह से बंद हो गई है।

हमीदिया अस्पताल में एमआरआई का शुल्क 1900 रुपए है, जबकि भर्ती मरीजों के लिए यह जांच निशुल्क होती है। मशीन खराब होने से मरीज इन सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं।

बार-बार खराब हो रही मशीनें

यह पहली बार नहीं है जब हमीदिया की एमआरआई मशीन इतने लंबे समय के लिए बंद हुई हो। इसी महीने की शुरुआत में भी यह मशीन करीब 10 दिन तक बंद रही थी। स्टाफ के अनुसार एक मरीज की जांच के दौरान लोहे की कोई वस्तु मशीन में फंस गई थी। इस मामले को हालांकि दबा दिया गया था।

जल्द शुरू हो जाएंगी

हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन ने कहा, मशीन पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर है, और कुछ तकनीकी कारणों से यह बंद है। जल्द ही अस्पताल की खुद की मशीनें शुरू हो जाएंगी, तो यह परेशानी खत्म हो जाएगी।

कार से डॉग कुचलने का मामला: कोहेफिजा पुलिस से पशु प्रेमी बोले- एफआईआर दर्ज करो

भोपाल। भोपाल के कोहेफिजा के शहीद नगर में कार से कुत्ते को कुचलने के मामले में पशु प्रेमी कार्रवाई की मांग को लेकर आगे आए हैं। थाना प्रभारी केजी शुक्ला ने पहले बताया था कि एक महिला ने कार्रवाई की मांग को लेकर आवेदन दिया था। बाद में महिला ने शिकायत वापस ले ली थी। वहीं गुरुवार को मामले में पीपुल्स फॉर एनीमल नाम का एनजीओ कुत्ते को कुचलने वाली महिला पर कार्रवाई की मांग को लेकर आगे आया है।

एनजीओ की ओर से दिए आवेदन में पुलिस को किन धाराओं में मामला दर्ज करना चाहिए यह भी बताया गया है।

हालांकि कोहेफिजा पुलिस पूरी घटना को हादसा बता रही है।

पीपुल्स फॉर एनीमल एनजीओ की स्वाति गौरव ने बताया कि हमने कोहेफिजा थाने के प्रभारी केजी शुक्ला को शिकायती आवेदन दिया है। इसमें बताया कि कार चला रही महिला ने जानकर कुत्ते को कुचला है। इसकी पुष्टि घटना के सीसीटीवी फुटेज में भी हो रही है। लिहाजा आरोपी महिला पर पशुक्रूरता अधिनियम सहित लापरवाही से वाहन चलाने की धाराओं में केस दर्ज करना चाहिए।

फुटेज को अहम साक्ष्यों के तौर पर रखें- एनजीओ ने सीसीटीवी फुटेज को एहम साक्ष्यों के तौर पर रखना चाहिए और कुत्ते को कुचलने वाली कार को जब्त कर चालक की गिरफ्तारी करना चाहिए। स्वाति का कहना है कि कार्रवाई नहीं करने की हालत में आगे वैधानिक कार्रवाई के लिए आला अधिकारियों से लेकर कोर्ट तक जाएंगे।

ये है पूरा मामला

कार सवार महिला ने सड़क पर बैठे स्ट्रीट डॉग को रौंद दिया था। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में डॉग को रौंदने के बाद महिला कार ले जाती दिख रही थी। घटना शहीद नगर की थी। बुधवार देर रात पेट्स लवर्स शिकायत लेकर कोहेफिजा थाने पहुंचे।

फुटेज के आधार पर पुलिस ने मामला जांच में लेने की बात कही थी। हालांकि गुरुवार को टीआई केजी शुक्ला ने बताया कि शिकायतकर्ता ने शिकायत वापस ले ली थी। जिसके बाद अन्य एनजीओ के साथ पशु प्रेमियों ने कार्रवाई की मांग को लेकर दोबारा शिकायत की।